●वर्ष : 16 ●अंक : 237 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शुक्रवार 20 दिसम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

समाचार

समान नागरिक संहिता के लिए बीजेपी का नया प्लान, संसद से नहीं विधानसभा से होगा लागू

लखनऊ। बीजेपी ने हमेशा से देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने की वकालत की है, और यह मुद्दा जनसंघ के समय से ही पार्टी के एजेंडे का हिस्सा रहा है। जब से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई है, तब से इस मुद्दे पर पार्टी ने लगातार जोर दिया है। बीजेपी ने राम मंदिर, अनुच्छेद 370 को हटाने और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बनाया था। राम मंदिर का सपना तो साकार हो चुका है, अनुच्छेद 370 को खत्म किया जा चुका है, अब सिर्फ समान नागरिक संहिता को लागू करने का काम बाकी है, जिसे बीजेपी और मोदी सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के जरिए अयोध्या में राम मंदिर बनाने का रास्ता साफ हुआ, और मोदी सरकार ने संसद के जरिए अनुच्छेद 370 को खत्म किया। साथ ही, संसद के जरिए "एक देश, एक चुनाव" की दिशा में भी कदम बढ़ाए गए हैं। अब, समान नागरिक संहिता को लागू करने की प्रक्रिया को लेकर बीजेपी ने एक नई रणनीति बनाई है। बीजेपी इस मुद्दे को संसद के बजाय राज्य विधानसभा के माध्यम से आगे बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। इस बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अपने बयान के माध्यम से संकेत दिए थे। अमित शाह ने राज्यसभा में संविधान पर चर्चा करते हुए समान नागरिक संहिता के महत्व को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 44 के तहत हमारा संविधान समान नागरिक संहिता की बात करता है, लेकिन यह अभी तक देश में लागू नहीं हो पाया है। इसके लिए उन्होंने कांग्रेस को दोषी ठहराते हुए कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने मुस्लिम पर्सनल लॉ लागू किया था, और कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति शुरू कर दी थी। अमित शाह ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कई बार समान नागरिक संहिता लागू करने की बात की है, लेकिन कांग्रेस ने हर बार इसे टाल दिया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि उत्तराखंड में बीजेपी सरकार ने यूसीसी को लागू किया है और इसी मॉडल के तहत बीजेपी शासित अन्य राज्यों में भी यूसीसी को लागू किया जाएगा।

समान नागरिक संहिता का मतलब है कि देश में सभी नागरिकों के लिए एक ही कानून हो। इसका उद्देश्य विवाह, तलाक, संपत्ति के बंटवारे और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर हर नागरिक के लिए समान कानून लागू करना है। वर्तमान में, मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत मुस्लिम समुदाय के लोग अपने पारिवारिक मामलों का हल करते हैं, लेकिन समान नागरिक संहिता के लागू होने से सभी समुदायों के लिए एक समान कानून होगा। बीजेपी ने इस मुद्दे को जनसंघ के समय से उठाया था, और पार्टी का मानना है कि यह देश की धर्मनिरपेक्षता और समानता को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मुद्दे पर कई बार अपनी राय दी है। उन्होंने संविधान पर चर्चा के दौरान सेकुलर सिविल कोड के संवैधानिक महत्व की बात की और संकेत दिए कि सरकार समान नागरिक संहिता लाने की दिशा में काम कर रही है।

किसान आंदोलन पर सुप्रीम कोर्ट

बोला-सीधे हमारे पास आएं प्रदर्शनकारी

>>> डल्लेवाल की सेहत पर सख्त

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने खनौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की चिकित्सा जांच नहीं कराने पर पंजाब सरकार को फटकार लगाई। पंजाब के अधिकारियों के माध्यम से किसान नेता द्वारा मुद्दे के समाधान की इच्छा जताए जाने के बाद न्यायालय ने कहा कि डल्लेवाल के ठीक होने पर अदालत उनसे बात करेगी। कोई भी किसानों को विरोध प्रदर्शन से डिगाने की कोशिश नहीं कर रहा है, केवल उनके नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिश

की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से कहा कि डल्लेवाल को कम से कम एक सप्ताह तक इलाज कराने के लिए राजी करें और अन्य लोग प्रदर्शन जारी रख सकते हैं। भारतीय किसान यूनियन (सिद्धूपुर) के प्रवक्ता गुरदीप सिंह चहल ने कहा कि गुरुवार को डल्लेवाल की तबीयत खराब होने पर भी वह लगभग 10 मिनट तक बेहोश रहे, सरकार के सूत्रों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश ने राज्य पर फिर से ध्यान केंद्रित कर दिया है। हालाँकि, यह कोई नई बात नहीं है। पंजाब पुलिस के अधिकारी सीमा पर आंदोलनकारी किसानों के संपर्क में हैं। लेकिन डल्लेवाल दृढ़ हैं। वह कोई चिकित्सीय सहायता नहीं लेना चाहता। काफी समझाने के बाद वह कुछ दिन पहले अपनी चिकित्सकीय जांच कराने के लिए सहमत हुए थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पंजाब सरकार ने स्पेशल डीजीपी अर्पित शुक्ला को खनौरी बॉर्डर पर जाकर डल्लेवाल को मनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। हालांकि, हमें उम्मीद नहीं है कि बहुत कुछ बदलने वाला है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश राज्य को बल प्रयोग न करने का निर्देश देने के बारे में है। अब हम बल प्रयोग नहीं कर सकते। हम जो कुछ कर सकते हैं वह है राजी करना। लेकिन हम जानते हैं कि हमारे प्रयास पहले ही सफल नहीं हुए हैं।

अमित शाह की खाल बचाने के लिए भैया के खिलाफ साजिश रची गई: प्रियंका गांधी

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने भाजपा के इन आरोपों को 'गृह मंत्री अमित शाह को बचाने की साजिश' बताया कि उनके भाई और पार्टी नेता राहुल गांधी ने एक भाजपा सांसद को धक्का दिया। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों पर शांतिपूर्वक विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों को संसद में प्रवेश करने से रोकने के लिए "गुंडागर्दी" में शामिल होने का भी आरोप लगाया। बीआर अंबेडकर के कथित अपमान को लेकर संसद परिसर में विपक्ष और एनडीए सांसदों के बीच झड़प में बीजेपी सांसद प्रताप चंद्र सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए। भाजपा ने राहुल गांधी पर 69 वर्षीय सारंगी को धक्का देने का आरोप लगाया, जिसे कांग्रेस नेता ने खारिज कर दिया। प्रियंका गांधी ने कहा कि राहुल गांधी बीआर अंबेडकर की तस्वीर लेकर और जय भीम का नारा लगाते हुए शांतिपूर्वक संसद के अंदर जा रहे थे लेकिन उन्हें ऐसा करने से रोक दिया गया। संसद परिसर में उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि हम इतने दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और लोगों के प्रवेश के लिए हमेशा जगह है। रोजाना सुबह 10.30 बजे से 11 बजे तक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन हो रहा है. आज, पहली बार, उन्होंने (भाजपा सांसदों) विरोध किया और सभी को रोका और फिर धक्का-मुक्की और गुंडागर्दी में शामिल हो गए। अब अमित शाह की खाल बचाने के लिए उन्होंने ये साजिश शुरू कर दी है कि 'भैया' ने किसी को धक्का दिया है। प्रियंका ने कहा कि मेरी आंखों के सामने ही खड़गे जी को धक्का लगा और वो जमीन पर गिर पड़े. फिर उन्होंने एक सीपीआई (एम) सांसद को धक्का दिया जो खड़गे जी पर गिर पड़े. कांग्रेस महासचिव ने कहा कि मुझे लगा कि इससे उनका पैर टूट गया होगा क्योंकि उनके चेहरे से लग रहा था कि उन्हें चोट लगी है।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

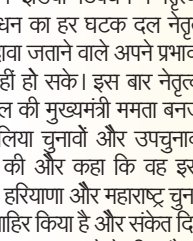

इंडिया गठबंधन की हालत सूत न कपास जुलाहों में लट्ठम लठ जैसी

सूत न कपास, जुलाहों में लट्ठम लठ। इंडिया गठबंधन के विपक्षी दलों की हालत कुछ ऐसी हो गई है। भाजपा गठबंधन से मुकाबला करने में विफल रहे विपक्षी दल के नेता नेतृत्व की कलह से जूझ रहे हैं। भाजपा से बुरी तरह शिकस्त खाने और राजनीतिक धरातल पर हैसीयत को स्वीकार किए बगैर विपक्षी नेता गठबंधन के नेतृत्व के जरिए भविष्य का प्रधानमंत्री बनने का सपना पाले हुए हैं। इन दलों का आधार बेशक एक राज्य से ज्यादा नहीं हो, किन्तु देश को नेतृत्व देने की आपसी होड़ में पीछे नहीं है। विपक्षी दलों के पास भाजपा से मुकाबला करने के लिए कोई एजेंडा तक नहीं है। लोकसभा चुनाव और हाल ही हुए उपचुनावों में इंडिया गठबंधन के दल आपस में ही मुकाबला करते रहे। विपक्षी दलों का ख्वाब है कि जिसके हाथ में नेतृत्व की कमान होगी, उसी के हाथ में देश की बागडोर होगी। ठोस रणनीति के अभाव में यह दिन में ख्वाब देखने जैसा है। इंडिया गठबंधन के दलों में आपस में ही नेतृत्व की होड़ मची हुई है। भाजपा के खिलाफ कोरी बयानबाजी से विपक्षी दलों के नेता बयानवीर साबित हो रहे हैं। लोकसभा और उससे पहले विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। विपक्षी दलों ने चुनाव जीतने के लालच में गठबंधन की धज्जियां उड़ाने में कसर बाकी नहीं रखी। गठबंधन की हालत उसे घोड़ागाड़ी जैसी हो गई जिसके घोड़े को हर घुडसवार अपने हिसाब से हांकना चाहता है। ऐसे में यह गठबंधन देश को नेतृत्व देने के मामले में आगे बढ़े के बजाए पीछे खिसकता जा रहा है। इसी का परिणाम है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को चारों खाने चित्त कर दिया। इंडिया गठबंधन में नेतृत्व का मसला पहले भी कई बार उठ चुका है। गठबंधन का हर घटक दल नेतृत्व का दावा जताता रहा है। हास्यादपद यह है कि दावा जताने वाले अपने प्रभाव वाले राज्य में भी भाजपा को हराने में कामयाब नहीं हो सके। इस बार नेतृत्व की दुदंभी तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तरफ से बजाई गई है। ममता बनर्जी ने हालिया चुनावों और उपचुनावों में इंडिया ब्लॉक के प्रदर्शन पर निराशा जाहिर की और कहा कि वह इसकी कमान संभालने को तैयार है। ममता ने हालिया हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में इंडिया ब्लॉक के खराब प्रदर्शन पर असंतोष जाहिर किया है और संकेत दिया कि अगर मौका मिला तो वह इंडिया ब्लॉक की कमान संभालने के लिए तैयार है।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

पीएम मोदी ने फोन करके जाना घायल सासंदों का हाल

प्रल्हाद जोशी बोले- लेंगे लीगल एक्सन

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। संविधान निमार्ता डॉ. बाबा साहब अंबेडकर पर बीते दिनों गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी को लेकर विपक्ष का हंगामा गुरुवार को भी जारी रहा है. बीते कई दिनों से जारी ये हंगामा गुरुवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों के बीच एकाएक हिंसक धक्का-मुक्की के रूप में तबदील हो गया. इस घटना में दो सांसदों के गंभीर रूप से घायल होने की बात सामने आई है. जिनका फिलहाल अस्पातल में इलाज चल रहा है. जिन दो सांसदों को इस धक्का-मुक्की के दौरान चोटें आई हैं उनमे से एक बीजेपी सांसद प्रताप सारंगी हैं. घायल सांसदों का आरोप है कि उन्हें राहुल गांधी ने धक्का दिया था. इस घटना में सांसद मुकेश राजपूत को भी गंभीर चोटें आई हैं. वो फिलहाल आईसीयू में भर्ती है. पीएम मोदी ने इस घटना में घायल दोनों सांसदों से फोन पर बात की है और उनका हालचाल पूछा है. इस पूरे मामले को लेकर एनडीटीवी ने कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से बातचीत की।

एनडीटीवी से खास बातचीत में अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि संसद के अंदर मकर द्वार लोकसभा और राज्यसभा में जाने-आने की जगह है. जब से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हुआ है तब से कांग्रेस और विपक्षी दलों के सांसद इसको रोकते आए हैं. वो यहां प्रदर्शन भी करते हैं नारेबाजी भी करते हैं. शीतकालीन सत्र के दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में एक बयान दिया था. विपक्षी दलों ने उस भाषण का एक छोटा सा अंश काटकर दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया. उनके इस दुष्प्रचार से भाजपा और एनडीए दलों के सांसद भी आहत थे. आज भाजपा के सांसद भी मकर द्वार के पास आए. इसके बाद कांग्रेस से राहुल गांधी और अन्य विपक्ष के सांसदों ने वहां शारीरिक ताकत दिखाना शुरू कर दिया. इस घटना में हमारे दो सांसदों को गंभीर चोट आई है. वो अस्पताल में भर्ती हैं. ये तो बेहद निंदनीय है. हमें अभी तक जो जानकारी मिली है उसमें ऐसी बात भी निकलकर आ रही है कि कुछ महिला सांसदों को भी चोटें आई हैं. हम फिलहाल इसका पता लगा रहे हैं. इसके बाद एक रिपोर्ट तैयार कर जो कानूनी कार्रवाई होगी वो की जाएगी।

>> पीएम मोदी को भी दी गई है जानकारी

संसद परिसर में हुई इस घटना की जानकारी अब पीएम मोदी को भी दे दी गई है. पीएम मोदी को इस पूरी घटना को लेकर ब्रीफ किया गया है. साथ ही उन्हें बताया गया है कि आखिर ये घटना हुई कैसे है. पीएम मोदी को इस बात से भी अवगत कराया गया है कि इस घटना में कुछ महिला सांसदों के भी घायल होने की बात सामने आ रही है, जिनके बारे में अभी पता किया जा रहा है. पीएम मोदी ने घायल सांसदों से फोन कर उनका हाल चाल जाना है।

>> 'राहुल गांधी की गुंडागर्दी हताशा को दशार्ता है'

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस घटना को लेकर कहा कि इस तरह की घटना राहुल गांधी की गुंडागर्दी को दशार्ता है. अगर कोई यह कह रहा है कि विपक्षी सांसदों को सदन के अंदर नहीं जाने दिया गया तो ये गलत है. हम इस पूरी घटना को लेकर कानूनी कार्रवाई करने जा रहे हैं. अगर दो घायल सांसदों की स्थिति की बात करूं तो प्रताप सारंगी को गंभीर चोट लगी है जबकि मुकेश राजपूत भी घायल हैं और उनका अभी इलाज चल रहा है।

सांसदों को अनुकरणीय आचरण का प्रदर्शन करना चाहिए : धनखड़

दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि सांसदों को अनुकरणीय आचरण का प्रदर्शन करना चाहिए। धनखड़ की टिप्पणी उस दिन आई जब संसद परिसर में बाबासाहेब आंबेडकर से संबंधित मुद्दे पर विपक्ष और सत्तापक्ष के सदस्य प्रदर्शन करते हुए एक दूसरे के सामने आ गए तथा कथित तौर पर धक्का-मुक्की की। इसमें भारतीय जनता पार्टी के दो सांसद - प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत चोटिल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। धनखड़ ने आगाह किया कि अगर संसद लोगों की समस्या का समाधान करने में विफल होकर केवल संवाद, बहस और चर्चा का केंद्र रह जाती है, तो यह अप्रासंगिक हो जाएगी और हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों पर इसका गंभीर असर होगा। संसद परिसर में भारतीय वन सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि राष्ट्रवाद के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और राष्ट्रीय हित को हर चीज से ऊपर रखना जरूरी है। राज्यसभा के सभापति ने कहा कि अगर राष्ट्रीय सुरक्षा या विकास के मुद्दों को राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है, तो हम संविधान की अपनी शपथ के प्रति सच्चे रहने में विफल हो जाते हैं।

अजित पवार एक दिन मुख्यमंत्री बनेंगे : फडणवीस

महाराष्ट्र। के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह और उपमुख्यमंत्री अजित पवार तथा एकनाथ शिंदे 24 घंटे सातों दिन पालियों में काम करेंगे। देर रात तक काम करने के लिए पहचाने जाने वाले शिंदे का जिक्र करते हुए फडणवीस ने कहा, अजित पवार सुबह काम करेंगे, वे सुबह जल्दी उठ जाते हैं। मैं दोपहर 12 बजे से आधी रात तक काम पर रहता हूं, जबकि रात भर... आप सभी जानते हैं कि कौन (काम करता) है। वह नागपुर में मौजूदा शीतकालीन सत्र के दौरान राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों में राज्यपाल के संयुक्त अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर विधानसभा में हुई बहस का जवाब दे रहे थे। अजित पवार का जिक्र करते हुए फडणवीस ने कहा, आपको स्थायी उपमुख्यमंत्री कहा जाता है... लेकिन मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं... आप एक दिन मुख्यमंत्री बनेंगे। अजित पवार ने पांच दिसंबर को छठी बार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। लोकसभा चुनाव में अजित पवार नीत राकांपा को केवल एक सीट मिली थी। इस करारी हार के बाद अजित पवार की पार्टी ने हाल ही में हुए राज्य विधानसभा चुनावों में जबरदस्त वापसी की तथा 57 निर्वाचन क्षेत्रों में से 41 सीट पर जी दर्ज की। भाजपा, शिवसेना और राकांपा के महायुति गठबंधन ने राज्य विधानसभा की 288 सीट में से 230 से अधिक सीट जीतीं, जबकि महाविकास आघाडी (एमवीए) केवल 46 सीट ही हासिल कर सका।

धक्कामुक्की कांड पर कांग्रेस की सफाई पर बीजेपी का काउंटर अटैक

पूछा- अब गुंडे संसद जाएंगे?

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने अभी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। हमें लगा कि वे आज की घटना पर माफी मांगेंगे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। मुझे समझ नहीं आया कि उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों की। उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका अहंकार झलक रहा था। मैं उनका व्यवहार देख रहा था। लेकिन आज उन्होंने (राहुल गांधी) जो किया वह सभ्य समाज के लिए अकल्पनीय है। आज जब भाजपा सांसद मकर द्वार पर विरोध कर रहे थे, तो राहुल गांधी वहां आ गए। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें अंदर जाने के लिए दूसरी जगह का इस्तेमाल करने को कहा। लेकिन वे जानबूझकर वहां आए। उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी उनका अहंकार झलक रहा था। आज मेरा मन भारी है, व्यथित है, पीड़ा से भरा हुआ है। मैं एक दर्जन बार लोकसभा और विधानसभा का सदस्य रहा हूं। मैंने सांसदों और विधायकों के व्यवहार और आचरण को देखा है। लेकिन आज जो संसद में हुआ उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। अशालीन, अशोभनीय और गुंडागर्दी से भरा व्यवहार किया गया। जिसकी सभ्य समाज कल्पना भी नहीं कर सकता। मैं कई बार विधानसभा या लोकसभा का सदस्य रहा हूं। विधानसभा और संसद दोनों में मैंने सांसदों और विधायकों का आचरण देखा है। हालाँकि, आज संसद में जो हुआ वह अकल्पनीय था। यह एक अशोभनीय कृत्य था जिसे सभ्य समाज स्वीकार नहीं कर सकता। हमारी एक आदिवासी सांसद बहन श्रीमती कोन्याक ने जो कुछ कहा है, वो सुनकर व्यथा से हम

भर जाते हैं। उन्होंने सभापति जी को शिकायत की है कि उनके साथ अशालीन, असभ्य, अमर्यादित व्यवहार किया गया। सभापति कह रहे हैं कि वह उनके पास रोती हुई आई थी। क्या महिला आदिवासी सांसद के साथ ऐसा व्यवहार किया जाएगा, क्या उनके इतने निकट पहुंचे कि वो असहज हो जाएं। मां-बहन-बेटी का सम्मान भारत की प्राथमिकता रही है। लेकिन महिला आदिवासी सांसद के साथ ऐसे व्यवहार की कोई कल्पना कर सकता है क्या? क्या हो गया है राहुल गांधी और कांग्रेस को? जब मैं देखने गया तो मुकेश राजपूत उस समय तक होश में नहीं थे। उनकी टपक की जा रही है। क्या संसद में ऐसे दृश्य देखे जाएंगे, क्या तर्कों का सहारा लेने की बजाय शारीरिक ताकत का प्रयोग किया जाएगा। सांसदों को ये अधिकार है कि वो किसी बात पर विरोध प्रकट करें। कांग्रेस भी कई दिनों से विरोध प्रकट कर रही थी, मकर द्वार पर उनके सांसद एकत्र होते थे। तब हम लोगों को जाना होता था, तो हम द्वार बदल लेते थे या पास में जो स्त्री होता था उसमें से चुपचाप निकलकर अंदर चले जाते थे।

झूठा नैरेटिव बनाने की कोशिश, कांग्रेस का ये राहुल बचाओ अभियान...

>>> अंबेडकर विवाद पर बोले राजीव चंद्रशेखर

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। संसद में डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर दिए बयान पर विपक्ष गृहमंत्री अमित शाह को घेर रहा है. जबकि शाह ने खुद कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है. पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर के मुताबिक कांग्रेस ड्रामा कर रही है. आईएएनएस से बात करते हुए भाजपा नेता ने कहा, "हम सब जानते हैं कि कांग्रेस पार्टी की राजनीति झूठ और गलत नैरेटिव पर आधारित है. पहले भी उन्होंने अमित शाह के एक वीडियो को तोड़ मरोड़ कर गलत संदेश फैलाने की कोशिश की थी।

>> कांग्रेस संविधान के बारे में झूठ बोलने की कर रही है कोशिश

अब वह इसी तरह का झूठा नैरेटिव बनाने की कोशिश कर रहे हैं. कांग्रेस पार्टी संविधान के बारे में झूठ बोलने की कोशिश कर रही है और इसने संविधान को तोड़ने की कई बार कोशिश की है. कांग्रेस पार्टी का असली चेहरा अब लोगों के सामने आ चुका है. संविधान के बारे में कांग्रेस का रवैया अब सबके सामने है और जब यह पदार्फाश हो गया है, तो वह इसे छुपाने के लिए राजनीतिक ड्रामा कर रहे हैं।

>> चंद्रशेखर ने इसे राहुल बचाओ अभियान करार दिया

चंद्रशेखर ने इसे राहुल बचाओ अभियान करार दिया और कहा कि यह राजनीतिक ड्रामा केवल राहुल गांधी की रक्षा करने के लिए चलाया जा रहा है, न कि डॉ. अंबेडकर और संविधान के सम्मान के लिए. कांग्रेस पार्टी अब संविधान और डॉ. अंबेडकर के नाम पर राजनीति करने की कोशिश कर रही है, जबकि असल में यह उनका प्रयास है ताकि लोग उनसे यह न पूछें कि वह पिछले 75 वर्षों में संविधान के बारे में किस तरह से बात करते आए हैं और उन्होंने संविधान के साथ क्या किया है।

राजीव चंद्रशेखर ने उठाया ये सवाल

राजीव चंद्रशेखर ने यह भी सवाल उठाया कि कांग्रेस पार्टी का यह नया नैरेटिव क्यों शुरू किया गया है? जब संसद में संविधान पर हो रही बहस के दौरान उनके इतिहास का पदार्फाश हो गया था. उनका कहना था कि कांग्रेस इस विवाद को बढ़ाकर अपनी छवि सुधारने और विपक्षी दलों के सवालों से ध्यान भटकाना चाहती है।

शहीद दिवस पर शहीद पार्क में शहीद रज कलश यात्रा समापन किया गया

आज काकोरी शहीद दिवस पर शहीद पार्क में शहीद रज कलश यात्रा के समापन पर आमसभा में स्वतंत्रतासेनानियों के उत्तराधिकारियों को सम्मानित भी किया गया। शहीद चंद्रशेखर आजाद के साथी HSRA के क्रान्तिकारी विद्याभूषण शुक्ला की पुत्री डॉ.जया शुक्ला ने बताया कि राष्ट्रीय शहीद मेला चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित जागरूकता यात्रा शहीद रज कलश के साथ दि. 16 दि. को झाँसी के शहीद मंदिर से प्रारंभ होकर आज 19 दि. को दिल्ली आई और इंडिया गेट पर शहीद स्मृतिस्थल से होकर इसका इस आमसभा में समापन हुआ। इसमें उ.प्र. के 50 स्वतंत्रतासेनानी उत्तराधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि कुछ समय से प्रतिवर्ष यह यात्रा होती है।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सौजन्य से विष्व अल्पसंख्यक दिवस कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर 2024। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सोजन्य से विष्व अल्पसंख्यक दिवस के अवसर पर लोधी रोड पर स्थित स्कोप कॉम्पलेक्स ऑडीटोरियम में विष्व अल्पसंख्यक दिवस कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमे अल्पसंख्यक केन्द्रीय राज्यमंत्री जॉर्ज कुरियन मुख्य अतिथी के रूप में उपस्थित हुए। इसके अलावा अल्पसंख्यक आयोग के सदस्यगण, मुस्लिम सदस्य सैयदा षहजादी, बुद्धिट सदस्य रिनचेन लम्हो, जैन सदस्य धन्य कुमार जिनप्पा गुंडे ओर आयोग के चेयरमेन इकबाल सिंह लालपुरा इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का षुभारंभ दीप जलाकर किया गया। कार्यक्रम में आयोग के सभी सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विष्व अल्पसंख्यक दिवस की जनता को षुभकामनाएं दी। मुस्लिम समुदाय के सौजन्य से जनता के स्तर पर इंडिया इस्लामिक कर्लचरल सेंटर के पूर्व अध्यक्ष व वर्तमान सदस्य बोर्ड ऑफ ट्रस्टी सिराजुद्दीन कुरैषी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए अल्पसंख्यक दिवस कार्यक्रम आयोजित करने पर आयोग के चेयरमेंन इकबाल सिंह लालपुरा को मुबारकबाद दी उन्होंने

कहा भारत के मुस्लिम अल्पसंख्यक अपने देष के विकास और हिन्दू मुस्लि भाईचारे के लिए पहचाने जाते हैं मगर कुछ असामाजिक तत्व देष में मुस्लिम समुदाय के साथ भेदभाव करते हैं जबकि देष का मुसलमान सदैव भारत का देषप्रेमी रहा है। मुख्य अतिथी जॉर्ज कुरियन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा आज पूरे विष्व में विष्व अल्पसंख्यक दिवस मनाया जा रहा हे भारत में अल्पसंचयकों की उन्नती के लिए देष के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने विभिन्न कर्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं जिससे सभी अल्पसंख्यक समुदाय की जनता लाभांवित हो रही ह। भारत में अल्पसंख्यक विदेषों के मुकाबले सबसे अधिक सुरक्षित हैं। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अल्पसंख्यकों के अधिकार और सुरक्षा के लिए बेहतर सेवा प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर जॉर्ज कुरियान ने आयोग के सौजन्य से कुईज और न्यूज बुकलेट लांच की इसके अलावा आयोग के चेयरमेन इकबाल सिंह लालपुरा द्वारा लिखी गई पुस्तक सिखिजम का विमोचन किया अंत में जनता को संबोधित करते हुए इकबाल सिंह लालुपरा ने कहा विष्व में सबसे सुरक्षित अल्पसंख्यक भारत में हैं यही कारण है आजादी के बाद देष में मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय की आबादी में बढोत्तरी हुई है भारत में किसी भी अल्पसंख्यक को आगे बढ़ने से कभी रोका नहीं गया यही कारण है मुस्लिम सिख समुदाय के व्यक्तियो को देष के उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति और क्रिकेट व हॉकी टीम के कप्तान भी बनाए गए जबकि पड़ौसी मुल्क में ऐसा कभी नहीं हुआ। अल्पसंख्यक समुदाय के साथ राष्ट्रीय स्तर पर कोई भेदभाव नहीं होता। हम सभी अल्पसंख्यक मिलकर भारत की तरक्की के लिए काम करें। इस अवसर पर धार्मिक व षिक्षित व्यक्तियों ने विचार व्यक्त किये जिन्हें आयोग के सौजन्य से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोग के अधिकारी सचिव नीलम षामी राव, डेनियल रिचर्ड, मनोज कुमार सिंहा, राजीव मोहन, नजीब अहमद, मो. यूसुफ इत्यादी इसके अलावा आयोग की एडवायजरी पैनल के सदस्य मो. रियाज की टीम सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित हुए जो इस प्रकार हैं। डा. आमिर सलमान, डा. एजाज, एडवोकेट सनोबर अली कुरैषी, आर. आई खान, कारी अब्दुस समी, मुफती नसीम, मो. नासिर, मो. जाहिद, तारिक परवेज, मुजाहिद खान, मजाहिर रजा, मो. राहिम, मो. आदिल, मो. अनवर, षाहिद रंगरेज, हषकील हैदर, डा. सुखवंत द्विवेदी, नीलम चतुवेर्दी, भूषण जैन, सचिन कुमार इत्यादी।

खरगे बोले- भाजपा सांसदों ने मुझे धक्का दिया, इंडिया गठबंधन की महिला सांसदों को भी संसद में जाने से रोका गया

नई दिल्ली, 19 दिसंबर कांग्रेस ने बाबा साहेब अंबेडकर पर गृह मंत्री अमित शाह की अपमानजनक टिप्पणी को लेकर हमला तेज करने के साथ ही भाजपा सांसदों पर विपक्ष के सांसदों को संसद के अंदर प्रवेश करने से रोकने के लिए धक्का-मुक्की का आरोप लगाया है। गुरुवार को नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर जोरदार हमला बोला। उनके साथ कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश भी मौजूद थे। गुरुवार की घटनाओं के बारे में बताते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि संसद परिसर में भाजपा सांसदों ने उन्हें धक्का दिया, जिससे उनका संतुलन बिगड़ा और वे नीचे बैठ गए। भाजपा सांसदों ने इंडिया गठबंधन की महिला सांसदों को भी संसद में जाने से रोका। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे बताया कि उन लोगों ने मुझे धक्का दिया, लेकिन भाजपा सांसद उलटा इंडिया गठबंधन के सांसदों पर ही आरोप लगा रहे हैं कि हमने उन्हें धक्का दिया है। भाजपा सरकार की मंशा अमित शाह की बाबा साहेब पर की गई अपमानजनक टिप्पणी से ध्यान भटकाने की है। भाजपा सरकार ने संसद की शांति को भंग करने का काम किया है। भाजपा ने देश में आज जिस तरह का माहौल बना रखा है, उसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस सदन में कोई व्यवधान नहीं चाहती, क्योंकि वह जनहित के मुद्दों को उठाना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि देश के गृह मंत्री अमित शाह ने बाबा साहेब अंबेडकर के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की है, जो बहुत ही दुखद है। खरगे ने कहा कि विपक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अडानी को संरक्षण दिए जाने के खिलाफ 14 दिनों तक प्रदर्शन किया। इसके बाद संविधान पर होने वाली चर्चा में बहुत गंभीरता से भाग लिया। उस चर्चा के दौरान ही अमित शाह ने बाबा साहेब अंबेडकर जी का मजाक उड़ाया। ऐसी मानसिकता निंदनीय है। इंडिया गठबंधन चाहता है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बर्खास्त करें, लेकिन वो ऐसा करने वाले नहीं हैं। इसीलिए अमित शाह के बयान के विरोध में पूरे देश में प्रदर्शन हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री का दिल्ली दौरा

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने किया दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस, उदयपुर हाउस और पुनर्निमार्णाधीन राजस्थान हाउस का अवलोकन

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर2024। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस, उदयपुर हाउस और पुनर्निर्माणधीन राजस्थान हाउस का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने पृथ्वीराज रोड़ स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य में और अधिक गति लाते हुए इन्हें समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने कहा कि समय-सीमा के साथ ही निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को भवन का अवलोकन करवाते हुए 136 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस राजस्थान हाउस के निर्माण कार्यों की प्रगति से अवगत करवाया। उन्होंने मुख्यमंत्री को नवीन राजस्थान हाउस के इतिहास के बारे में बताया कि 7050 वर्ग मीटर में पुनः निर्मित हो रहा राजस्थान हाउस, राजस्थान सरकार का एक राजकीय गेस्ट हाउस है। इसके पुनर्निर्माण में राजस्थान की कलात्मक स्थापत्य शैली का खूबसूरत तरीके से समन्वय किया जाएगा। साथ ही, भवन की बाहरी दीवार पर धौलपुर सैण्ड स्टोन क्लेडिंग का कार्य किया जाएगा। नवीन राजस्थान हाउस में दो बेसमेंट, भूतल और 6 फ्लोर का प्रावधान रखा गया है। भवन के बेसमेंट में पार्किंग तथा मुख्य भवन में लॉबी, कैफेटेरिया, वेटिंग एरिया, डाईनिंग एरिया, फव्वारा, हैंगिंग झूमर, एट्रियम आदि बनाए जाएंगे। वहीं प्रथम तल पर कॉन्फ्रेंस हॉल, पुस्तकालय व जिम तथा छत पर टैरेस गार्डन, पार्टी हाल, योग कक्ष आदि की सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री ने उदयपुर हाउस का किया अवलोकन मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने देश की प्रतिष्ठित दिल्ली यूनिवर्सिटी के नॉर्थ कैंपस से सटे हुए इलाके राजपुर रोड पर स्थित

उदयपुर हाउस का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों से उदयपुर हाउस में करवाए जाने वाले निर्माण कार्यों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बीकानेर हाउस का किया निरीक्षण मुख्यमंत्री ने गुरूवार को बीकानेर हाउस का दौरा करते हुए हाउस में स्थित राजकीय कार्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को बीकानेर हाउस को कल्चरल सेंटर के रूप में विकसित करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

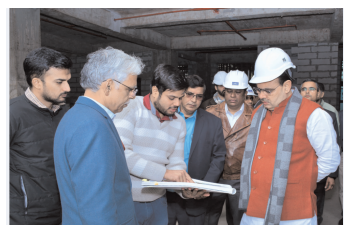

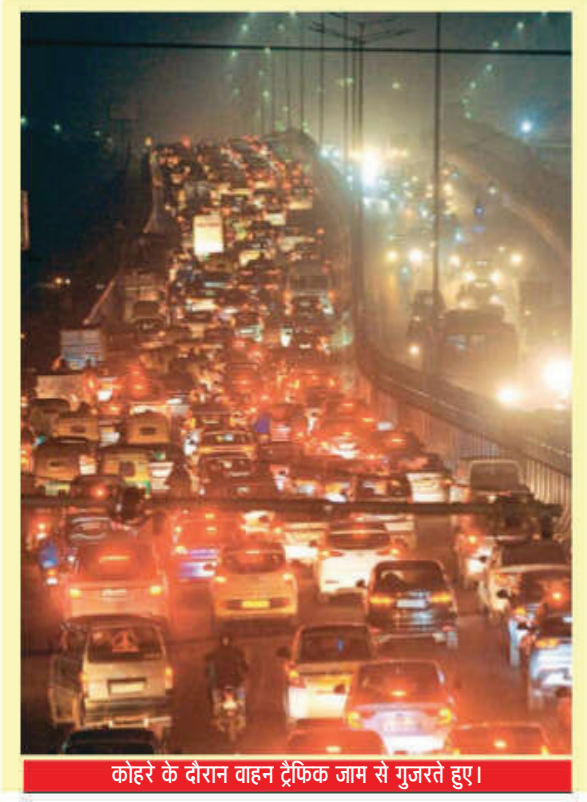

कोहरे के दौरान वाहन ट्रैफिक जाम से गुजरते हुए।

दिल्ली में सोनू सूद और यो यो हनी सिंह की फिल्म "फतेह" का गाना हिटमैन रिलीज हुआ

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर2024। फिल्म अभिनेता सोनु सूद की आने वाली फिल्म फतेह का गाना हिटमैन और टीजर दिल्ली के पीवीआर प्लाजा में में रिलीज हो गया है। इस अवसर पर सोनू सूद अगर यो यो हनी सिंह दोनों मौजूद थे। सोनू सूद की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म फतेह का दूसरा ट्रैक हिटमैन जो एक धमाकेदार, डांस एंथम है।यो यो हनी सिंह का गाना हिटमैन लियो ग्रेवाल के बोल और बॉस्को मार्टिस की बेहतरीन कोरियोग्राफी में बनाया गया है। यो यो हनी सिंह के साथ मिलकर काम करने पर सोनू सूद ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा , यह सफर तब शुरू हुआ जब हम दोनों पंजाबी सालों पहले चंडीगढ़ में मिले थे। हनी का संगीत उस समय भी सड़कों की धड़कन था और आज भी है। हिटमैन के लिए उनके साथ काम करना ऐसा लगता है जैसे किस्मत ने साथ दिया हो। हनी सिंह ने कहा, मैं सोनू सर को 16 साल से भी

ज्यादा समय से जानता हूँ। तब उन्होंने कई फिल्म प्रोड्यूसर से मेरे लिए बात की मेरे बारे में बताया और मुझे फिल्मों में काम दिलाने की बहुत कोशिश की जब फतेह की बात आई तो मैंने उन्हें एक रफ गाना सुनाया था उन्होंने बोला मैं इसे अपनी फिल्म में लेना चाहता हूं मैंने बोला नहीं पाजी फतेह के लिए मैं स्पेशल गाना बना कर दूंगा आपको जो मैंने गाना सुनाया था वह फास्ट फूड था मैं आपके लिए स्पेशल पंजाब का सांग बना कर दूंगा हिटमैन मैने सोनू सूद के लिए स्पेशल गाना नहीं पंजाब का सरसों साग बनाया है जो धमाल मचाएगी , जी स्टूडियोज के उमेश केआर बंसल और शक्ति सागर प्रोडक्शंस की सोनाली सूद द्वारा निर्मित और अजय धामा द्वारा सह-निर्मित,फिल्म फतेह, साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई की एक मनोरंजक कहानी है। यह फिल्म 10 जनवरी, 2025 को रिलीज होने वाली है।

डिजाइन और तकनीकी इनोवेशन का अद्वितीय संगम

नई दिल्ली, दिसंबर : हरियाणा के रोहतक में, सेरेमिक टाइल्स और होम सोल्युशन्स के प्रमुख निमार्ताओं में से एक, सोमानी सेरेमिक्स ने उत्तर भारत के सबसे बड़े एटेलियर शोरूम का भव्य उद्घाटन किया। यह प्रीमियम शोरूम परमोद ट्रेडिंग कंपनी द्वारा संचालित है और सोमानी के लक्जरी कलेक्शन को प्रदर्शित करता है। उद्घाटन अवसर पर सोमानी सेरेमिक्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ अभिषेक सोमानी ने कहा कि पिछले पांच दशकों से सोमानी डिजाइन और इनोवेशन में अग्रणी रहा है। यह शोरूम हमारे उपभोक्ताओं को लक्जरी टाइल्स और बाथवेयर कलेक्शन का बेहतरीन अनुभव प्रदान करेगा।

एनएच-9, दिल्ली-रोहतक रोड पर स्थित यह शोरूम 19 हजार वर्गफीट क्षेत्र में फैला है, जिसमें 65 सौ वर्गफीट एटेलियर के लिए समर्पित है। यहां सोमानी के प्रीमियम कलेक्शन, जैसे नया रेगालिया कलेक्शन, इटालमर्मी, पोर्टो और सेडीमेंटो, प्रदर्शित किए गए हैं।

जींद के पिल्लूखेड़ा मंडी में गैस सिलैंडर फटने से घर जला

जींद, दिसम्बर : बुधवार को पिल्लूखेड़ा मंडी स्थित मकान में आग लग गई। परिजनों के अनुसार घर में आग घरेलू गैस सिलेंडर के फटने से लगी है। आग लगने की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड कर्मी मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। हालांकि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नही हुई है लेकिन आग से मकान में रखा सामान जल कर राख हो गया और मकान को भी नुकसान पहुंचा है। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस तथा तहसीलदार ने भी मौके पर पहुंच हालातों का जायजा लिया। पिल्लूखेड़ा पीएनबी बैंक के पीछे सुदर्शन के घर में बुधवार दोपहर को रसोई में अचानक आग लग गई। वहां खाना बना रही दिव्यांग महिला द्वारा शोर मचाए जाने पर पड़ोसी मौके पर पहुंच गए और महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। आसपास के लोगों ने अपने स्तर पर आग पर काबू पाने का प्रयास भी किया लेकिन आग लगातार फैलने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रसोई में रखा घरेलू गैस सिलैंडर भी फट गया। सूचना मिलते ही पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस, तहसीलदार तथा फायर बिग्रेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाया। आग के कारण घर में रखा घरेलू सामान बैड, कपड़े, बिस्तर, स्कूटी, एलईडी, फर्नीचर समेत अन्य सामान जल कर राख हो गए।

IC 814: कंधार हाइजैक ने मैचबॉक्स को बड़े सपने देखने और ऊँचा उड़ने के लिए प्रेरित किया

नई दिल्ली, IC 814: कंधार हाइजैक, एक ऐसा ड्रामा जो पाँच हवाई अड्डों, पाँच देशों, सात दिनों, 188 जानों और एक अरब भारतीय दिलों में फैला हुआ था, ने दुनिया भर में दर्शकों का प्यार हासिल किया। यह तीन हफ्तों तक वैश्विक टॉप 10 चाट्र्स में और भारतीय टॉप 10 चाट्र्स में 11 हफ्तों तक बना रहा। "कहानी कहने की एक मास्टर क्लास," IC 814: कंधार हाइजैक गूगल पर शीर्ष खोजों में से एक था। सीरीज के बारे में बात करते हुए विजय वर्मा ने कहा, "स्क्रीन पर कैप्टन देवी शरण का किरदार निभाना मेरे लिए एक सम्मान की बात थी। अनुभव सर ने भारतीय सिनेमा के दिग्गजों को इस ऐतिहासिक घटना को फिर से बताने के लिए एकत्र किया। मैं इस मैटचबॉक्स शो को अपने जीवनभर का मान सम्मान मानूंगा." मैचबॉक्स शॉट्स के निमार्ता संजय राउत्रे ने कहा,

"यह वास्तव में दिल छू लेने वाली बात है कि IC 814: कंधार हाइजैक को वैश्विक दर्शकों से जो प्यार मिला है। दिसंबर 2024 भारतीय विमानन इतिहास के सबसे दर्दनाक हाइजैकिंग की 25वीं वर्षगांठ को चिह्नित करता है। एक शो जिसे शोध, लेखन और निर्माण में छह साल लगे, IC 814: कंधार हाइजैक कैप्टन देवी शरण और श्रीनजॉय चौधरी की पुस्तक Flight into Fear: The Captain's Story का रूपांतरण है। मैचबॉक्स शॉट्स के तीन साझेदार वैश्विक दर्शकों के साथ गूंजने वाली असाधारण कहानियाँ बताने के अपने संकल्प में एकजुट हैं। वे अपनी परियोजनाओं के लिए सबसे अच्छे टीमों का निर्माण करते हैं, अपनी टीमों का पूरा समर्थन करते हैं, और मैटचबॉक्स शॉट्स को कहानीकारों के लिए एक आदर्श घर बनाते हैं। इस प्रोडक्शन हाउस के पास कई आशाजनक प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में हैं, जिनमें हंसल मेहता, नवदीप सिंह, जसमीत रीं, सुदीप शर्मा, योगेश चांडेकर और वसन बाला जैसे प्रसिद्ध निमार्ता शामिल हैं।

एम्स अस्पताल के नजदीक स्थित रैन बसेरे का औचक निरीक्षण करने पहुंचे मंत्री सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, दिसंबर : दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज दिल्ली में स्थित एम्स अस्पताल के नजदीक बने रैन बसेरे का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान मंत्री सौरभ भारद्वाज ने रैन बसेरे के अंदर बने एक एक कमरे में जाकर सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रैन बसेरे में रहने वाले लोगों को रहने, खाने और सोने की क्या व्यवस्थाएं विभाग की ओर से की गई है, उन सभी की बारीकी से जांच की, साथ ही साथ मंत्री सौरभ भारद्वाज ने रैन बसेरे में रह रहे लोगों से विभाग की ओर से मिल रही व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली ताकि सही परिस्थितियों का अनुमान लगाया जा सके। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने रैन बसेरे में रहने वाले लोगों को सोने के लिए मिलने वाले बिस्तर और रजाई गद्दे की व्यवस्थाओं की भी बारीकी से जांच की। आज दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज एम्स अस्पताल के समीप स्थित रैन बसेरे का औचक निरीक्षण करने पहुंचे । मंत्री सौरभ भारद्वाज ने वहां पर बने रैन बसेरे की एक-एक कमरे की अच्छी प्रकार से जांच की, सभी व्यवस्थाओं के अच्छे प्रकार से जांच की । जांच के दौरान कुछ जगहों पर साफ सफाई की पर्याप्त व्यवस्था न होने और रैन बसेरे में रह रहे लोगों को पुराने बिस्तर और रजाई गद्दे मुहैया कराने की समस्या सामने आई।

दिल्ली में एक्यूआई गंभीर श्रेणी में, न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार को वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में रही, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से करीब तीन डिग्री कम पांच डिग्री सेल्सियस रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 450 रहा। शहर के 38 निगरानी केंद्रों में से 32 में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 को ह्यसंतोषजनक, 101 से 200 को मध्यम, 201 से 300 को खराब, 301 से 400 को बेहद खराब और 401 से 500 को गंभीर माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि शुक्रवार को बेहद घने कोहरे का पूवार्नुमान जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली के किसान करेंगे शांतिपूर्ण प्रदर्शन, भूमि पूलिंग और ग्रीन डिवैल्पमैंट नीतियों की मांग

नई दिल्ली, दिसंबर : दिल्ली देहात विकास मंच ने घोषणा की है कि हजारों किसान 22 दिसंबर को जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। यह प्रदर्शन कंझावला और दौलतपुर में चल रहे आंदोलनों का विस्तार है। किसान लंबे समय से लंबित भूमि पूलिंग नीति और ग्रीन डिवैल्पमैंट एरिया नीति को लागू करने की मांग कर रहे हैं, जो 2007 से अटकी हुई हैं। साथ ही, दिल्ली विकास प्राधिकरण अधिनियम 1957 में संशोधन की भी मांग की जा रही है, ताकि शहरी विकास और दिल्ली के गांवों के मुद्दों का समाधान हो सके।

प्रदर्शन को राजनीतिक समर्थन भी

मिला है। दक्षिणी दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत और उत्तर-पश्चिम दिल्ली के सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने किसानों की मांगों का समर्थन किया है। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने भी आंदोलन स्थलों का दौरा कर समर्थन दिया। मंच के अध्यक्ष भूपेंद्र बजाद ने मास्टर प्लान दिल्ली 2041 को अधिसूचित करने, संशोधित भूमि पूलिंग नीति लागू करने, और ग्रीन डिवैल्पमैंट एरिया नीति को कारगर बनाने की मांग की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा। किसान मास्टर प्लान दिल्ली 2041, भूमि पूलिंग नीति, और जीडीए नीति के कार्यान्वयन के लिए समयसीमा तय करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इन नीतियों का लागू होना दिल्ली के शहरी विकास को तेज कर सकता है, लाखों रोजगार पैदा कर सकता है और किसानों को उनकी जमीन का उचित मुआवजा मिल सकता है।

साइबर अपराध से निपटने के लिए 6.69 लाख सिम कार्ड ब्लॉक किएः सरकार

दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि उसने साइबर अपराधों को नियंत्रित करने के प्रयास में 15 नवंबर, 2024 तक 6.69 लाख सिम कार्ड और 1,32,000 आईएमईआई नंबर को ब्लॉक किया। महिला और बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कानून लागू करने वाली एजेंसियों और न्यायिक अधिकारियों की क्षमताओं को उन्नत बनाने के साथ ही साइबर अपराधों से निपटने की व्यापक रणनीति के तहत ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं।

भाजपा सांसदों ने हमें संसद भवन में जाने से रोका, धमकाया : राहुल

दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के धक्का-मुक्की के आरोपों को खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सत्तापक्ष के सदस्यों ने विपक्षी सांसदों को संसद भवन में जाने से रोका और धमकी दी। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, मैं संसद के अंदर जाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन भाजपा के सांसद मुझे रोकने की कोशिश कर रहे थे, धक्का दे रहे थे और धमका रहे थे। राहुल गांधी ने दावा किया कि विपक्षी नेताओं के साथ धक्का-मुक्की की गई, लेकिन इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस नेता ने कहा, यह संसद है और अंदर जाना हमारा अधिकार है। अक्सर सफेद रंग टी-शर्ट पहनने वाले राहुल गांधी बृहस्पतिवार को नीले रंग की टी-शर्ट पहनकर संसद पहुंचे। उन्होंने कहा कि मुख्य मुद्दा यह है कि संविधान और बाबासाहेब की स्मृति का अपमान हुआ है। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने धक्का-मुक्की की, जिसके कारण उसके सांसद प्रताप सारंगी गिर गए और उनके सिर में चोट लग गई।

रोटरी क्लब हसनपुर आस्था द्वारा लिहाफो का किया गया वितरण

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। भीषण सर्दी के प्रकोप को महसूस करते हुए क्षेत्र की एक और समाजसेवी संस्था द्वारा गरीब असहाय निर्धन महिलाओं को सर्दी से बचने के लिए लिहाफो का वितरण किया गया, बता ते चलें कि बुधवार को रोटरी क्लब हसनपुर आस्था द्वारा चिरंजीलाल कॉलेज आफ एजुकेशन डगरोली के प्रांगण में क्षेत्र की 51 गरीब महिलाओं को लिहाफ वितरित किए गए, लिहाफ पाकर महिलाओं के चेहरे पर अलग ही मुस्कान नजर आ रही थी, लिहाफ वितरण कार्यक्रम से

पहले सभी महिलाओं को जलपान भी कराया गया, वही इस संबंध में रोटरी क्लब हसनपुर आस्था के अध्यक्ष रोटेरियन राजीव अग्रवाल ने बताया कि हमारा क्लब जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के लिए हर समय तत्पर रहता है तथा क्लब द्वारा समय-समय पर नेत्र जांच शिविर तथा अन्य सामाजिक कार्य किए जाते रहे हैं और किए जाते रहेंगे वहीं उन्होंने बताया कि रोटी क्लब हसनपुर आस्था द्वारा गर्मियों में विभिन्न स्थानों पर शीतल पेयजल की भी व्यवस्था की गई थी तथा इसी प्रकार के सामाजिक कार्य आगे भी जारी रहेंगे, इस मौके पर मुख्य रूप से क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन राजीव अग्रवाल, सचिव रोटेरियन राजीव कंसल, रोटेरियन ब्रह्मदत्त त्यागी, रोटेरियन विनय गुप्ता, रोटेरियन पुनीत अग्रवाल, रोटेरियन तीर सिंह सिरोही, रोटेरियन सत्यवती सक्सेना, रोटेरियन उमा गुप्ता एवं कॉलेज प्रबंधिका अनुभव अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

अधिशासी अधिकारी ने नगर पालिका क्षेत्र में जलाए जा रहे अलाव का किया निरीक्षण

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। भीषण सर्दी के चलते नगर पालिका परिषद हसनपुर द्वारा नगर पालिका परिधि में विभिन्न स्थानों पर सुबह एवं शाम के समय अलाव जलवाए जा रहे हैं जिसका बुधवार की देर श्याम नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह ने स्थलीय निरीक्षण किया, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सर्दी का प्रकोप अपने चरम पर है जिसके चलते राहगीरों को तथा रिक्शा चालकों व अन्य लोगों को सर्दी से कुछ राहत दिलाने के लिए आदर्श नगर पालिका ने नगर के विभिन्न स्थानों पर सुबह एवं शाम के समय अलाव जलवाकर कुछ राहत पहुंचाने का अपना प्रयास जारी रखा है, इस संबंध में अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह ने बताया कि नगर में 25 स्थान पर अलाव जलवाया जा रहा है जिसमें मुख्य चौराहो पर ,अंबेडकर पार्क पर, बस स्टैंड पर , रिक्शा स्टैंड एवं विभिन्न वार्डों में अलाव जलवाया जा रहा हैं, उन्होंने बताया कि बाकी अन्य मांग के अनुसार अलाव जलाने के स्थान और भी बढ़ाए जाएंगे, निरीक्षण के समय उनके साथ मौके पर बाबू करन सिंह, दिनेश कुमार, एडवोकेट रविशंकर शर्मा आदि मौजूद रहे।

प्राकृतिक खेती के विकास की बुनियाद बनेंगे गोवंश

लखनऊ, 19 दिसम्बर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि उत्तर प्रदेश, देश में प्राकृतिक खेती का हब बने। इसके लिए वह हर मुमकिन मंच से इसकी पुरजोर पैरवी करते हैं। वह किसानों को भारतीय कृषि की इस परंपरागत कृषि पद्धति को तकनीक से जोड़कर और समृद्ध करने की बात भी करते हैं। इसके लिए उनकी सरकार किसानों को कई तरह की सुविधाएं भी दे रही है। गंगा के तटवर्ती गांवों और बुंदेलखंड में प्राकृतिक खेती पर सरकार का खासा जोर है।

निराश्रित गोवंशों की भी होगी महत्वपूर्ण भूमिका

सरकार की मंशा के अनुरूप प्राकृतिक खेती की तरक्की की बुनियाद बनेंगे गोवंश। निराश्रित गोवंशो की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इस खेती के और भी लाभ होंगे। मसलन, जहरीले रासायनिक खादों और कीटनाशकों का प्रयोग नहीं होने से क्रमशः जन, जमीन और जल की सेहत सुधरेगी। इनके न प्रयोग होने से किसानों की खेती की लागत कम होगी। उत्पाद प्राकृतिक होने से किसानों को अपने उत्पाद के दाम भी अच्छे मिलेंगे। वैश्विक महामारी कोरोना के बाद पूरी दुनिया स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हुई है। हर जगह ऐसे उत्पादों की मांग बढ़ी है। मांग बढ़ने से इनके दाम भी अच्छे मिलेंगे।

निर्यात बढ़ाने में भी मददगार होंगे प्राकृतिक कृषि उत्पाद

मालूम हो कि प्रदेश का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। सात वर्षों में यह बढ़कर दोगुना हो गया है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार 2017-2018 में उत्तर प्रदेश का निर्यात 88 हजार करोड़ रुपये था। 2023-2024 में यह बढ़कर 170 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ने से अन्नदाता किसान खुशहाल होंगे। खास बात यह है कि प्राकृतिक खेती से जो भी सुधार होगा वह टिकाऊ (सस्टेनेबल), ठोस और स्थायी होगा।

योगी सरकार के प्रयास

मुख्यमंत्री का गोवंश के प्रति प्रेम जगजाहिर है। वह अपने पहले कार्यकाल से ही गोवंश के संरक्षण पर जोर दे रहे हैं। इस बाबत निराश्रित गोवंश के लिए गोआश्रय खोले गए। प्रति पशु के अनुसार भरण पोषण के लिए पैसा भी दिया जाता है। चंद रोज पहले पेश किए गए अनुपूरक बजट में भी इस बाबत 1001 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री की मंशा इन गोआश्रयों को आत्मनिर्भर बनाने की है। ऐसा तभी संभव है जब इनके गोबर और मूत्र को आर्थिक रूप से उपयोगी बनाया जाय। इसके लिए समय-समय पर सरकार स्किल डेवलपमेंट का भी कार्यक्रम चलाती है। साथ ही मनरेगा के तहत भी पशुपालकों को सस्ते में कैटल शेड, पशु बाड़ा और गोबर गैस लगाने की सहूलियत दी जा रही। मिनी नंदिनी योजना भी गोवंश के संरक्षण और संवर्धन को ही ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसमें भी योगी सरकार कई तरह के अनुदान दे रही है।

सुशासन का प्रतीक माने जाते हैं अटल जीः मुख्यमंत्री

लखनऊ, 19 दिसंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अटल जी सुशासन का प्रतीक माने जाते हैं। राजनीतिक अस्थिरता को स्थिरता में बदलना, सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त करना, देश के अंदर अंत्योदय की योजना, हर गरीब-वंचित को अधिकार मिले, अंत्योदय कार्ड-राशन उपलब्ध कराने की कार्रवाई हो, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना,

अनुसूचित जाति-जनजाति या पिछड़े वर्ग को उनका अधिकार दिलाने के साथ ही स्वर्णिम चतुर्भुज, विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर व हाईवे अटल जी की देन है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को संगीत नाटक अकादमी में सुशासन सप्ताह का शुभारंभ किया। सीएम ने अटल जी के व्यक्तित्व, कृतित्व पर लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ व अवलोकन किया। अटल जी के जन्मदिवस की 100वीं वर्षगांठ पर 25 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह मनाया जाएगा।

बलरामपुर व लखनऊ से अटल जी ने संसद में उत्तर प्रदेश का किया प्रतिनिधित्व

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत मां के महान सपूत, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का यह जन्म शताब्दी वर्ष है। पीएम मोदी की प्रेरणा से आज से पूरे देश-प्रदेश में सुशासन सप्ताह का शुभारंभ हो रहा है। अटल जी की पैतृक जन्मभूमि उत्तर प्रदेश है। उन्होंने अपनी कर्मभूमि के रूप में भी उत्तर प्रदेश को ही चुना। बलरामपुर व लखनऊ से कई बार उन्होंने संसद में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। विदेश मंत्री, प्रधानमंत्री के रूप में भी उन्होंने देश को सक्षम नेतृत्व प्रदान किया। अटल जी कवि, पत्रकार, साहित्यकार व राजनेता थे। वे समन्वय के साथ सबको लेकर चलने का सामर्थ्य रखते थे। वे भारतीय राजनीति के अजातशत्रु कहे जाते थे। अटल जी का छह दशक का सार्वजनिक जीवन बिना किसी कलंक के रहा।

25 दिसंबर को प्रतिभाओं का होगा सम्मान, अटल जी की कविताओं पर आधारित काव्य पाठ करेंगे नवोदित कवि

सीएम योगी ने कहा कि आज से हर जनपद में कार्यक्रम प्रारंभ हुए है, जो सप्ताह भर (25 दिसंबर) चलेंगे। स्कूली बच्चों के लिए सुशासन पर निबंध लेखन, उच्च शिक्षा स्तर पर भाषण, पेंटिंग प्रतियोगिता, ग्रामीण क्षेत्र में संगोष्ठी के आयोजन हो रहे हैं। इसके साथ ही पूरे वर्ष भर भी आयोजन होंगे। विजेताओं को 25 दिसंबर को सम्मानित किया जाएगा। इस दिन शाम को अटल जी की कविताओं पर आधारित काव्य संध्या भी हर जनपद, स्कूलों-कॉलेजों में होगी। इसमें नवोदित कवियों को मंच प्रदान किया जाएगा।

अटल जी की सेवाएं व कृतित्व देशवासियों के लिए प्रेरणा

मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी की सेवाएं व कृतित्व देशवासियों के लिए प्रेरणा है। सुशासन सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर प्रदेश के हर स्कूल-कॉलेज, संस्थान में इससे संबंधित कार्यक्रम होंगे। श्रद्धेय अटल जी के आदर्शों से प्रेरणा हम सभी का मार्गदर्शन होगा। अटल जी ने सुशासन के जिन लक्ष्यों को देखा और सोचा था, पीएम मोदी के नेतृत्व में देश इसे प्रभावी ढंग से लागू भी कर रहा है। यह लक्ष्य प्रदेश भी प्राप्त करेगा। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, संस्कृति व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज को मिलेगा एम्स भोपाल और गोरखपुर का साथ

गोरखपुर, 19 दिसंबर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल के निदेशक एवं एम्स गोरखपुर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. अजय सिंह ने गुरुवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर का भ्रमण एवं निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खास तौर पर गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज) की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और उपलब्ध सुविधाओं को उत्कृष्ट बताया। प्रो. अजय सिंह ने कहा कि एम्स भोपाल और गोरखपुर इस मेडिकल कॉलेज के साथ मिलकर पूर्वांचल के मरीजों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे। एम्स भोपाल के निदेशक महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

के परिसर और कार्य संस्कृति को देखकर काफी प्रभावित हुए और मुक्त कंठ से इसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के साथ मिलकर काम करना नई उपलब्धियों को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने कहा कि एम्स भोपाल और गोरखपुर के द्वारा गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज को लाइव आसीयू सेवाएं दी जाएंगी। गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को देखकर प्रो. सिंह ने खुशी जताते हुए कहा कि एम्स भोपाल, गोरखपुर और इस मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल के साझा प्रयास से मरीजों को और भी उत्कृष्ट सुविधाएं दी जा सकती हैं।

सीएम योगी के नेतृत्व में तेजी से हो रहा ग्रामीणों की समस्यायों का निराकरण

लखनऊ, 19 दिसंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व व निर्देशन में प्रदेश की पंचायतों की भूमिका अब पहले से अधिक महत्वपूर्ण और जवाबदेही भरी हो गई है। सीएम योगी द्वारा पंचायतों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कई ठोस कदम उठाए गए हैं। रोजगार मेले, किसान विकास योजनाएं और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से गांवों में समग्र विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। डिजिटल तकनीक के समावेश ने पंचायतों की कार्यप्रणाली को पारदर्शी और प्रभावी बना दिया है।

सीएम योगी ने पंचायत निधि के बेहतर और सार्थक उपयोग पर जोर देते हुए निर्देश दिया है कि इसका लाभ सीधे वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे। उन्होंने पंचायतों से रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसी योजनाओं को प्राथमिकता देने और नए ऐसे काम करने की अपील की है, जो पंचायतों को विशिष्ट पहचान दें।

सीएम योगी की ग्राम पंचायतों को रोल मॉडल बनाने की पहल

सीएम योगी ने ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई तरह की पहल की है। सीएम योगी ने पंचायतों को नए और नवाचारी प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया, जो उनके क्षेत्र को अलग पहचान दें। पंचायतों को प्रोत्साहित किया जा रहा है कि वे सामुदायिक शौचालयों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई को प्राथमिकता दें। सीएम योगी ने गांवों में कम्युनिटी सेंटर बनाकर उसका आर्थिक रूप से उपयोग करने की बात कही है। इससे न केवल पंचायतों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। सीएम योगी की मंशानुरूप पंचायतों में आदर्श गांव, विकसित गांव और आत्मनिर्भर गांव बनाने की दिशा में बड़े पैमाने पर कार्य किए जा रहे हैं।

गांव की समस्या का गांव में ही हो रहा समाधान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और निर्देशन में ग्राम चौपाल की पहल ने यह सुनिश्चित किया है कि सरकार खुद चलकर ग्रामीणों और गरीबों के पास जाए। यह पहल शासन और जनता के बीच विश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ समस्याओं के समाधान को सरल और सुलभ बना रही है। प्रदेश के प्रत्येक विकास खंड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। ह्लगांव की समस्या - गांव में समाधानह्व के मूलमंत्र के साथ आयोजित इन चौपालों ने ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया है। ग्राम चौपालों में न केवल व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान हो रहा है, बल्कि सार्वजनिक मुद्दों पर भी कार्रवाई की जा रही है। इन चौपालों से गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है और सामाजिक योजनाओं के क्रियान्वयन में भी तेजी आई है।

जिलाधिकारी ने मण्डी परिसर का किया औचक निरीक्षण

तौफीक खान संवाददाता
बस्ती

बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने मण्डी परिसर में स्थित भारतीय खाद्य निगम एवं मंडी समिति धान क्रय केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने पाया कि भारतीय खाद्य निगम केंद्र पर तौल हो रही है, नमी मापक यंत्र एवं कांटे सही से कार्य कर रहे है। उन्होने तौले जा रहे धान का नमी परीक्षण करवाया, जो 13 प्रतिशत पाया, वो मानक 17 प्रतिशत के अंतर्गत है तथा वहॉ उपस्थित कृषकों से उन्होने तौल के बारे में पूछा जाने पर कृषको ने बताया कि कोई समस्या नहीं है। मंडी समिति वाले केंद्र पर उन्होने पाया कि कोई तौल नहीं हो रही है तथा मंडी समिति द्वारा मिल को धान प्रेषण भी बहुत कम अर्थात 22 प्रतिशत ही है। उन्होने वहॉ उपस्थित संबंधित

अधिकारी से कारण पूछा, तो बताया गया कि पिछली तौल कल हुई है तथा अनुबंध विलम्ब से हुआ है। इस स्थिति पर जिलाधिकारी ने क्रय केंद्र की वर्तमान कार्य उपलब्धि पर असंतोष व्यक्त किया और निर्देशित किया कि कृषकों से सम्पर्क कर नियमित तौल करवाई जाए। इसके साथ ही मिल को धान प्रेषण में भी वृद्धि किया जाए डिप्टी आर.एम.ओ. ने बताया कि जनपद में अब तक 50 दिवस में लक्ष्य के सापेक्ष 48 प्रतिशत क्रय किया जा चुका है। इसमें से 50 प्रतिशत धान मिल को प्रेषित किया जा चुका है, जिसमे पीसीएफ द्वारा अभी मात्र 26 प्रतिशत धान ही प्रेषित किया गया है। जिलाधिकारी ने डीसी पीसीएफ को निर्देशित किया कि धान का प्रेषण बढ़ाएं तथा केन्द्रवार समीक्षा कर सुनिश्चित करें कि क्रय किया गया धान ससमय मिलो पर पहुँचें। निरीक्षण के दौरान डिप्टी आर.एम.ओ. एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

सभी पंचायतों को मुख्यमंत्री ने दिया निर्देश योजनाओं का सीधा लाभ लाभार्थियों तक पहुंचे

लोकतंत्र की शान संवाददाता
लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिया निर्देश सभी लाभार्थियों को सीधा लाभ पहुंचाने के लिए पंचायतों की भूमिका अब पहले से अधिक महत्वपूर्ण और जवाबदेही हो गई है। रोजगार मेला, किसान विकास योजनाएं और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से गांवों के समग्र विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके लिए जरूरी है कि जल संचयन प्रणाली जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी जाए ताकि पंचायतों को असली पहचान मिल सके। ये बातें गुरुवार को उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने पंचायतों से कही। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पंचायतों की भूमिका अब महत्वपूर्ण है। हर काम के लिए उनकी जवाबदेही तय की जाएगी। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पंचायतों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कई ठोस कदम उठाए गए हैं। इसमें रोजगार मेले, किसान विकास योजनाएं और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से गांवों के समग्र विकास को प्राथमिकता दी जा रही है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

पंचायत निधि के बेहतर और सार्थक उपयोग पर जोर देते हुए ये निर्देश दिया है कि इसका लाभ सीधे वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने पंचायतों से वर्षा जल संचयन प्रणाली जैसी योजनाओं को प्राथमिकता देने और ऐसे नए काम करने की अपील की है जो पंचायतों को विशिष्ट पहचान दे सके। इसके अलावा योगी आदित्यनाथ ने पंचायतों को नए और नवाचारी प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

महाकुम्भ पुलिस को गाइड करेगा ऐप, क्विक रिस्पॉन्स में होगा मददगार

महाकुम्भनगर, 19 दिसंबर। महाकुम्भ-2025 के प्रारंभ होने की घड़ी नजदीक आते ही योगी सरकार ने महाकुम्भ के महाआयोजन को लेकर अपनी समस्त तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इस बार महाकुम्भ दिव्य-भव्य होने के साथ ही डिजिटल भी होने जा रहा है और इसी डिजिटल महाकुम्भ में जल्द ही एक और कड़ी जुड़ने वाली है। सीएम योगी के विजन अनुसार, महाकुम्भ में तैनात पुलिसकर्मियों की चुनौतियों को ध्यान में रखकर एक ऐसे ऐप का विकास होने जा रहा है जिसके जरिए उन्हें मेला क्षेत्र की संपूर्ण जानकारी उपलब्ध होगी। इसमें रूट्स, महत्वपूर्ण स्थल और पुलिस अधिकारियों के नंबर समेत कई फीचर्स होंगे, जो पुलिसकर्मियों के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा। इसे विशेष तौर पर क्राउड मैनेजमेंट के दृष्टिगत निर्मित कराया जा रहा है, जिसके जरिए मेला क्षेत्र में किसी भी आपात स्थिति में क्विक रिस्पॉन्स मैनेजमेंट प्रक्रिया को पूरा किया जा सके। महाकुम्भ मेला 2025 पुलिस मोबाइल ऐप विकसित करने का उद्देश्य इस बड़े आयोजन के दौरान पुलिस बल की दक्षता, समन्वय और प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाना है। करोड़ों आगंतुकों के आने की उम्मीद के साथ, ऐप का उद्देश्य एक मजबूत डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करना है जो पुलिस कर्मियों के बीच निर्बाध संचार, प्रभावी घटना प्रबंधन और वास्तविक समय की जानकारी साझा करने में सक्षम बनाता है।

अंबाला

आम जनता के लिए एनडीआरआई का द्वार सैर करने के लिए खुला, अब हर रोज प्रातः 5 बजे से 7 बजें तक तथा सायं: 5 बजे से 7:30 बजे तक कर सकेंगे सैर: जगमोहन आनंद

विधायक जगमोहन आनंद ने केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण का किया आभार प्रकट और करनाल शहर के लोगों को दी बधाई।

करनाल सुखविन्दर सोही

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि करनाल शहर की आम जनता के लिए एनडीआरआई का द्वार शुक्रवार 20 दिसंबर को खुल जाएगा । आम जनता अब हर रोज प्रात:: 5 बजे से 7 बजें तक तथा सायं: 5 बजे से 7:30 बजे तक एनडीआरआई के अंदर सैर कर सकेगें। यह जानकारी विधायक जगमोहन आनंद ने वीरवार को लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में प्रेस वार्ता के दौरान दी। इस मौके पर भाजपा के कार्यकारी जिला अध्यक्ष बृज भूषण गुप्ता व जिला मीडिया प्रमुख डॉ. अशोक कुमार मौजूद रहे। मीडिया से बातचीत के दौरान विधायक जगमोहन आनंद ने एनडीआरआई का द्वार सैर करने के लिए खोले जाने को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण का आभार प्रकट किया और करनाल शहर के लोगों को बधाई दी । इन्ही के प्रयासों से यह संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि एनडीआरआई द्वार खोले जाने को लेकर शहर के लोग काफी समय से मांग कर रहे थे। लोगों की भावना समझते हुए स्थानीय नेताओं ने पिछले दिनों केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान के आगमन पर उनके समक्ष यह मांग रखी थी, एनडीआरआई प्रशासन ने अब कुछ शर्तो के आधार पर 20 दिसंबर 2024 को द्वार खोले जाने पर अपनी स्वीकृति दी है। अब शहर के लोग एनडीआरआई में सुबह व शाम के समय सैर कर सकेगें। इस कार्य के लिए उपायुक्त उत्तम सिंह व पुलिस अधीक्षक गंगा राम पूनिया द्वारा दिए गए सहयोग की।

डीएवी पीजी कॉलेज के प्राचार्य ने नशे की रोकथाम के लिए कॉलेज में चलाया सर्च अभियान।

विद्यार्थियों ने रैली निकालकर नशे से बचाव का संदेश दिया।

करनाल। सुखविंदर सोही

करनाल। डीएवी पीजी कॉलेज के ड्रग्स अवेयरनेस सेल की ओर से विद्यार्थियों को नशे से बचाने एवं सुरक्षित रखने के लिए प्राचार्य डॉ रामपाल सैनी ने टीम बनाकर कॉलेज में सर्च अभियान चलाया। जिसमें विद्यार्थियों के बैग, कमरे, बैठने के स्थान का निरीक्षण किया, ताकि नशे की किसी भी वस्तु से विद्यार्थियों को दुर रखा जा सके, और उनकी जांच की जा सके। उन्होंने इस मौके पर विद्यार्थियों द्वारा नशे से बचाव के लिए निकाली जा रही जागरुकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली कॉलेज प्रांगण से, डॉ अम्बेडकर चौंक, बस स्टैंड करनाल होते हुए वापिस कॉलेज पहुंची। प्राचार्य ने कहा कि विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर, योग, व्यायाम,और सामाजिक गतिविधियों में अपने आपको व्यस्त रखना चाहिए ताकि दुसरे लोगों को भी इससे प्रेरणा मिले। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी देश की जिम्मेदार नागरिक है। उन्हें राष्ट्र की चिंता होनी चाहिए, इसलिए जरूरी है कि वह स्वस्थ, तंदुरुस्त रहे, तभी देश स्वस्थ भारत के सपने को पुरा करने में सहयोगी होगा। इस मौके पर उनके साथ राजकीय महिला महाविद्यालय करनाल के प्राचार्य एवं डीएचओ डॉ सुभाष शर्मा, ड्रग्स अवेयरनेस सेल की संयोजक डॉ अंशु जैन, डॉ जितेन्द्र चौहान, प्रो ईना गुप्ता, प्रो सोनम शर्मा सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

घर दी रौनक

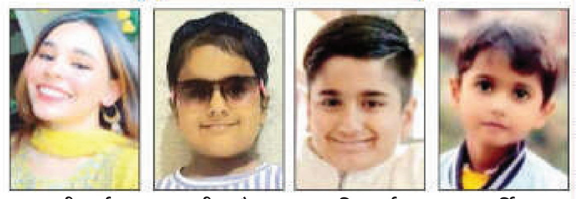

खुशी शर्मा | उपनीत कौर | अक्षित गर्ग | कार्तिक

डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स बॉक्सिंग प्रतियोगिता में हरनूर कौर ने गोल्ड मेडल जीत अंबाला का नाम किया रोशन

गोल्ड मेडल हासिल करने वाली छात्रा का अभिनंदन करते प्राचार्य डॉ. विकास कोहली।

- स्कूल प्राचार्य डॉ. विकास कोहली ने हरनूर कौर का अभिनंदन कर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया

अंबाला शहर, दिसंबर : अंबाला शहर के पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल की छात्रा हरनूर कौर ने डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स बॉक्सिंग प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल तथा 68 नेशनल स्कूल गेम्स बॉक्सिंग प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल हासिल कर अंबाला जिले का नाम रोशन किया है, वहीं स्कूल में पहुंची छात्रा हरनूर कौर का स्कूल प्राचार्य डॉ. विकास कोहली द्वारा भव्य अभिनंदन किया गया। बतादें कि डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स बॉक्सिंग प्रतियोगिता जोकि नोएडा इंडोर स्टेडियम में आयोजित की गई थी और 68 नेशनल स्कूल गेम्स बॉक्सिंग प्रतियोगिता 8 से 14 दिसंबर को नई दिल्ली में आयोजित की गई हैं। इन दोनों प्रतियोगिताओं में हरनूर कौर ने अंडर-17 कैटेगरी में 60 से 66 किलोग्राम वेट में गोल्ड मेडल और सिल्वर मेडल हासिल किया।

इस मौके पर स्कूल के प्राचार्य डॉ. विकास कोहली ने इस उपलब्धि के लिए हरनूर कौर व उसके पिता रणवीर सिंह व माता जैस्मिन बेहगल को बहुत-बहुत बधाई दी और इसी प्रकार सफलतापूर्वक निरंतर आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद भी दिया, वहीं प्राचार्य कोहली ने कहा कि स्कूल की छात्रा ने यह मेडल हासिल कर जहां अन्य बच्चों को प्रेरणा दी, वहीं दूसरी ओर अंबाला जिले का नाम रोशन किया है। इस उपलब्लि पर स्कूल स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट ने भी काफी सहयोग किया है।

भारतीय मानक ब्यूरों ने करवाया ज्वैलर्स जागरूक कार्यक्रम

नारायणगढ़ में ज्वेलर्स जागरूक कार्यक्रम में सम्बोधित करते अधिकारी।

नारायणगढ़, दिसम्बर : भारतीय मानक ब्यूरो परवाणू शाखा कार्यालय की तरफ से ज्वेलर्स जागरूकता नारायणगढ़ मे आयोजित किया गया जिसमे ज्वेलर्स एसोसिएशन के 70 से अधिक सदस्यो ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में हॉलमार्किंग एचयूआईडी, लाइसेंस प्राप्त करने कि प्रक्रिया व हॉलमार्किंग की अहम् भूमिका के बारे विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही लाइसेंस बनाकर भी दिखाया गया। भारतीय मानक ब्यूरो परवाणू शाखा, हिमाचल प्रदेश, के उप निदेशक एवं वैज्ञानिक .सी गोरेनंद प्रसाद यादव एवं हॉलमार्किंग प्रतिनिधि सचिन पटेल ने जानकारी दी। इस मौके पर ज्वेलर्स एसोसिएशन के जिला प्रधान नरेश अग्रवाल ,नारायणगढ़ प्रधान सुरेश वर्मा, शहजादपुर प्रधान मंगत राम वर्मा, सेक्रेटरी आकाश, जनरल सेक्रेटरी विनोद वर्मा, मुकेश वर्मा, उप प्रधान अश्वनी वर्मा, सचिव अजय वर्मा, नरेश वर्मा, संजीव वर्मा, नीलकंठ वर्मा, कुलदीप थामा व वीरेंदर जैन सहित अन्य मौजूद थे।

अब 18 जनवरी 2025 तक बन सकेंगे सिख वोट्स : हरपाल सिंह

बैठक के दौरान हरपाल सिंह मछौंडा व गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य।

अम्बाला छावनी, दिसंबर : हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के जनरल चुनाव जोकि 19 जनवरी 2025 को होने जा रहे हैं जो सिख वोट बनाने का समय 18 दिसंबर 2024 तक था वह अब बढ़कर 18 जनवरी 2025 तक हो गया है। हरपाल सिंह पाली मेंबर स जीपी सी ने बताया कि आज ही गुरुद्वारा सिख इलेक्शन कमिश्नर हरियाणा जस्टिस एच एस भल्ला ने पत्र जारी कर हरियाणा के सभी जिलों को ऑर्डर किया है कि वह 18 जनवरी 2025 तक सिख वोट बनाएं। जगजीत सिंह जोश जनरल सेक्रेटरी शिरोमणी अकाली दल हरियाणा प्रदेश ने सिख संगत को निवेदन किया है कि वह ज्यादा गिनती में अपनी वोट बनवाए। पिछले दिनों में देखने में आया की संगत में वोट बनवाने का भारी उत्साह है और जो कि मैं समझता हू कि बहुत अच्छी बात है और आगे भी यह उत्साह ऐसे ही जारी रहे और जो वोट अभी तक नहीं बनी है वह ज्यादा से ज्यादा बने जत्थेदार मैचोंडा ने सभी संगतों से अपील है कि वह अच्छे गुरसिख जीवन वाले नुमाइंदे चुन कर गुरुद्वारों की सेवा संभाल के लिए चुन कर भेजे। इस बैठक में सरदार जतिंदर पाल सिंह मक्कड़, सदर मनमोहन सिंह, सरदार रेडी, सरदार जसविंदर सिंह बाजवा, चेतन प्रीत सिंह, कोहली सिंह, प्रभजोत सिंह मौजूद रहे।

सुमन सैनी ने भाजपा के आवेदन फार्म को भर कर पार्टी की सक्रिय सदस्यता ग्रहण की

सुमन सैनी भाजपा के सक्रिय सदस्य का फार्म भरने के बाद जानकारी

नारायणगढ़, दिसम्बर : मुख्यमंत्री नायब सिहं सैनी की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने संगठन महापर्व के दूसरे चरण के सक्रिय सदस्यता के अन्तर्गत नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बूथ नम्बर 129 पर भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्यता आवेदन फार्म को भर कर पार्टी की सक्रिय सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर सुमन सैनी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज विश्व का सबसे बड़ा संगठन बन चुका है। यह सब पार्टी कार्यकताओं की मेहनत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व क्षमता के कारण ही सम्भव हो पाया है। भाजपा का सदस्य बनने के लिए जहां प्रत्येक वर्ग के लोग आगे आकर सदस्य बन रहे है वहीं युवाओं में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। यह सब सरकार की नीतियों एवं योजनाओं का परिणाम है। बिना पर्ची-बिना खर्ची के योग्यता के आधार पर नौकरी मिलने से आज का युवा वर्ग सरकार की कार्यप्रणाली से काफी प्रभावित है। इस अवसर पर पदाधिकारी सहित अन्य मौजूद थे।

यांत्रिकी विभाग के छात्रों द्वारा पांचवें सेमेस्टर के दौरान बनाया गया मैकेनाइज्ड मोप का प्रोजैक्ट

गियर यंत्र को दिखाते छात्राओं के साथ प्रधानाचार्य व अन्य।

अंबाला शहर, दिसंबर : राजकीय बहुतकनीकी अंबाला शहर के यांत्रिकी विभाग के छात्रों द्वारा ह्ललघु प्रोजेक्टह्व विषय के तहत पांचवें सेमेस्टर के छात्रों द्वारा ह्लमैकेनाइज्ड मोपह्व का प्रोजेक्ट बनाया गया। इसकी प्रेरणा छात्रों को एक प्रदर्शनी में एक हस्तचालित मॉप को देखकर आई। छात्रों ने उस गोल गोल घूमने वाले मॉप को एक फ्रेम में पहिए के साथ जोड़कर, एक गियर यंत्र द्वारा स्वचालित बना दिया। इस यंत्र को बनाने के लिए छात्रों ने वर्कशॉप अधीक्षक सुशील तथा इंस्ट्रक्टर वीरेंद्र पॉल और यांत्रिकी विभाग के हेड श्री जगजीत नारंग से समय समय पर जानकारी और समाधान लिया। यह यंत्र कुल 2500 रुपए में बन गया। परंतु छात्रों का कहना था कि यदि यह किसी भी उद्योग में बड़े स्तर पर बनाया जाए तो 1500 से 1700 तक बहुत ही आसानी से बनाया जा सकता है। इस मैकेनाइज्ड मॉप का इस्तेमाल बड़े बड़े हॉल, धार्मिक स्थलों को साफ करने के लिए किया जा सकता है। संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ राजीव सपरा जी से बातचीत करते हुए छात्रों ने बताया कि आने वाले छठे सेमेस्टर में इसको बड़े प्रोजेक्ट में और भी विकसित करके एक नया रूप देकर उद्योग के लिए पेटेंट करवाने की कोशिश करेंगे। प्रधानाचार्य ने इस अवसर पर छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए मैकेनिकल विभाग को बधाई दी।

बलदेव नगर के सरकारी स्कूल के छात्रों ने क्वारकी व पिक्टोबॉक्स की मदद से तैयार किए शानदार प्रोजेक्ट्स

अंबाला शहर, दिसंबर : अंबाला शहर के बलदेव नगर स्थित सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्टीम लैब के अंतर्गत क्वारकी और पिक्टोबॉक्स का उपयोग कर छात्रों ने अपनी रचनात्मकता का बेहतर प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में कक्षा 6 से 11 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया और शिक्षिका मनीषा के मार्गदर्शन में अद्भुत प्रोजेक्ट्स तैयार किए गए। इस दौरान कक्षा 6 के छात्रों लक्षित, कार्तिक और आदर्श ने क्वारकी की मदद से सड़क रोलर का मॉडल तैयार किया। कक्षा 7 के छात्र मोहित और सुधांशु ने रोबोट, पिक्टोबॉक्स का उपयोग करके कक्षा 8 के छात्र रोहित और बजरंगी ने किसानों की फसलों को बचाने के लिए एक अनूठा प्रोजेक्ट बनाया। इसी प्रकार कक्षा 11 के छात्र अमान, साहिल प्रशांत केशव ने क्वारकी और पिक्टोबॉक्स के जरिए एक ऐसा सिस्टम तैयार किया, जिसमें बारिश होने पर धूप में सूखते कपड़े खुद-ब-खुद अंदर आ जाएं। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य सतबीर सिंह ने सभी छात्रों और शिक्षिका मनीषा की मेहनत और रचनात्मकता की सराहना करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया। स्टीम लैब इंचार्ज मंजू ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां छात्रों में विज्ञान और तकनीक के प्रति रुचि बढ़ाने में मदद करती हैं और उनके कौशल को निखारती हैं। स्कूल के छात्रों ने अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन किया है। इस कार्यक्रम से छात्रों में नवाचार और तकनीकी ज्ञान को बढ़ावा मिला है।

अनिल विज की हत्या की साजिश मामले में वीरेश शांडिल्य की शिकायत पर जांच शुरू

अंबाला, दिसंबर : एंटी टैरेरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने हरियाणा के डीजीपी सहित उच्च अधिकारियों को शिकायत दी थी कि जिन अधिकारियों ने विधानसभा चुनाव के दौरान पूर्व गृह मंत्री अनिल विज की हत्या की साजिश रची उन अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। वीरेश शांडिल्य की शिकायत पर जांच अंबाला छावनी के डीएसपी रजत गुलिया कर रहे हैं और उन्होंने वीरेश शांडिल्य के ब्यान दर्ज किए। वीरेश शांडिल्य ने अपने दिए बयानों में पुलिस को कहा कि यह आरोप बहुत गंभीर है। प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री का यह कहना कि उनकी विधानसभा चुनावों में अंबाला प्रशासन द्वारा हत्या की साजिश रचवाई गई। इस पर पुलिस को ही तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए थी लेकिन जब पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो उनके एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया को इस मामले में आगे आना पड़ा। वीरेश शांडिल्य ने डीएसपी रजत गुलिया को दिए ब्यानों में कहा कि उनकी शिकायत पर दोषी प्रशासनिक अधिकारियों को बेनकाब करने के लिए पहले एफआईआर दर्ज की जाए। डीएसपी रजत गुलिया ने इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिया और कहा कि जो भी आरोपी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

समाधान शिविर में 15 शिकायतों में से 12 का तुरंत समाधान

- निगम अधिकारियों द्वारा आमजन की समस्याओँ को किया जा रहा है तुरंत हल

शिविर में आए हुए व्यक्ति की समस्या सुनते टेक्स सलाहकार शेर सिंह

अंबाला शहर, दिसंबर : नगर निगम अंबाला शहर में अनुभाग अधिकारी वह टैक्स सलाहकार की अध्यक्षता में दिनांक 18 को दिसम्बर समाधान शिविर लगाया गया जोकि सरकार की हिदायतों के अनुसार दिए गए समय सुबह 9:00 बजे से 11:00 बजे तक लगाया गया। जिसकी अध्यक्षता नगर निगम अधिकारी अनुभव द्वारा की गई इसमें आज 15 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 12 शिकायत तो का समाधान करवाया गया। इस कैंप में टैक्स सलाहकार नगर निगम द्वारा शहर वासियों की समस्याओं को सुना गया वह अधिकारियों को समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करने हेतु कहा गया। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य शहर के लोगों को प्रॉपर्टी आईडी जन्म प्रमाण पत्र विकास शुल्क नगर निगम से संबंधित कोई भी समस्या आ रही है उन समस्याओं का समाधान करना है। कैंप में टैक्स सलाहकार द्वारा कैंप में आ रहे लोगों की समस्याओं को सुना गया वह तुरंत प्रभाव से समस्याओं का समाधान भी किया गया।

जिला अंबाला में खाद बीज व दवाइयों से संबंधित किया गया निरीक्षण

अंबाला शहर, दिसंबर,

जिला अंबाला में खाद बीज व मंडियों के निरीक्षण हेतु निदेशालय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग पंचकूला द्वारा डॉ. राकेश पौरिया संयुक्त निदेशक को गुणवत्ता नियंत्रण अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके तहत डॉ. राकेश पोरिया द्वारा जिला अंबाला की मंडियों का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें मुलाना, नारायणगढ़, शहजादपुर, बराडा व साहा मंडियां शामिल रही। औचक निरीक्षण के तहत टीम द्वारा खाद, बीज व दवाइयों के 35 सैंपल भरे गए व साथ ही आवश्यक दस्तावेजों की जांच भी की गई। निरीक्षण के दौरान डॉ. जसविन्द्र सिह सैनी, उप निदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, अम्बाला, डॉ. नरेश, उपमंडल कृषि अधिकारी, नारायणगढ, सुश्री सिमरन जस्ट, विषय विशेषज्ञ, राजेश अग्रवाल विषय विशेषज्ञ शामिल रहे। उन्होने बताया कि यह निरीक्षण अभियान आगामी दिनों में भी चलता रहेगा।

विधानसभा नारायणगढ़ में विधायक शैली चौधरी ने जाकर लोगो की समस्याएं सुनी

नारायणगढ़, दिसम्बर : विधायक शैली चौधरी ने गन्नी खेड़ा गाजीपुर रायवली श्यामडू खेड़ा जट्टान बोड़ा छज्जु माजरा आदि गांव में जाकर सभी लोगों का धन्यवाद किया और ग्रामीणों की समस्याए सुनी। उन्होंने सम्बोधित करते हुए कहा कि आज नारायणगढ़ क्षेत्र में शिवालिक तलहटी पर उद्योग की जरूरत है इस उद्योग के लगने पर खैत्र के युवाओं को फायदा मिलेगा। जो युवा रोजगार के लिये अपना देश छोड़कर जा रहे है उन्हे अपने क्षेत्र में रोजगार मिल सकेगा। इस समय क्षेत्र में सच्चाई का पानी कितने नीचे चला गया है जो एक समस्या किसान के लिये बनी हुई हैं, जिसके लिए आज एक नहर कर जरूरत है और हमारे यहा नारायणगढ़ शुगर मिल में किसानों का बकाया करोड़ों रूप्यें फंसा हुआ है, जिसके लिए हमारा किसान सर्घष कर रहा है। इन सब बातों को लेकर वह व कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रामकिशन गुर्जर मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिले थे ओर इन सब मांगों को पुरा करने के लिये मांग पंत्र भी सौंपा था। मुख्यमंत्री से क्षेत्र के लोगो की आशा है वह जल्द पुरा करेंगे। इस अचसर पर वरिष्ठ नेता विरेन्द्र सोमा, गुरविन्द्र बेरखेडी,संदीप गुर्जर नखडौली सहित अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद था।

भाजपा के सदस्यता अभियान में जुटे : डॉ पवन सैनी

लाड़वा के पूर्व विधायक पवन सैनी का स्वागत करते हुए।

नारायणगढ़, दिसम्बर : भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान को लेकर बाल्मीकि बस्ती में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और लाडवा के पूर्व विधायक डा. पवन सैनी मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने इस अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भारतीय जनता पार्टी की नीतियों और जनता के प्रति समर्पण को लेकर विस्तार से जानकारी दी। पवन सैनी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान देशभर में चलाया जा रहा है और इसका उद्देश्य पार्टी को और मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि यह अभियान पार्टी की विचारधारा और कार्यशैली को घर.घर तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस अभियान का हिस्सा बनकर देश के विकास में अपनी भूमिका निभाएं। सैनी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और यह सदस्यता अभियान इसी का प्रमाण है।

फिलाडेल्फिया हॉस्पिटल में प्रभु यीशु के आगमन पर लघु नाटिका का मंचन

मिशन हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. सुनील सादिक ने युसूफ के किरदार की निभाई जीवंत भूमिका

अंबाला शहर के फिलाडेल्फिया हॉस्पिटल में आयोजित लघु नाटिका मंचन में युसूफ के किरदार की जीवंत भूमिका निभाने वाले मिशन हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. सुनील सादिक का अभिनंदन करते हुए। अंबाला शहर के फिलाडेल्फिया हॉस्पिटल में प्रभु यीशु के आगमन पर आयोजित लघु नाटिका मंचन कार्यक्रम में गीत प्रस्तुत करती छात्राएं।

अंबाला शहर, दिसंबर : अंबाला शहर के फिलाडेल्फिया हॉस्पिटल में प्रभु यीशु के आगमन की खुशियों को मनाने के लिए बुधवार को लघु नाटिका के मंचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम से पूर्व आरंभिक प्रार्थना रेवरंड बनी ने की, वहीं क्वायर ने प्रभु यीशु के गीत प्रस्तुत कर समां बांधा। यह कार्यक्रम पहली बार मिशन हॉस्पिटल में बड़े ही हर्षोल्लास के वातावरण में आयोजित किया गया, जहां मिशन हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. सुनील सादिक ने युसूफ के किरदार को जीवंत किया और उस वक्त के माहौल को अपने कुशल अभिनय से बड़ी खूबसूरती से निभाया। कार्यक्रम में मरियम की भूमिका में डॉ. युक्ता ने प्रभु यीशु की पैदाइश और फरिश्ते से बातचीत को एक नाटक के माध्यम से बहुत ही सुंदर ढग से जीवंत किया। इसी प्रकार डॉ. एस एम शर्मा, डॉ. किरन चनन, डॉ. संदीप सलवान ने पूर्व दिशा से आए तीन राजाओं की भूमिका निभाते हुए अपनी उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज कराई, राजा हेरोदेस एवं उनके प्रधान ज्योतिष के रूप में बरखाराम, डॉ. अखिल सोनी एवं युवराज ने अपनी कुशल अभिनय शैली का परिचय दिया। एक प्रमुख भूमिका में सराय के मालिक के रूप में सुमन सहगल एवं प्रवीन कुमारी ने उम्दा अभिनय करते हुए अपने किरदार निभाए, अन्य किरदारों में डॉ. हिमालय, राजकुमार झा, रमाकांत, कृष्णा वर्मा, बाला, डॉली जॉनसन, डॉ. उदित, रजत, चंचल आहूजा, सोनिया, बिना सोनी, इत्यादि ने भी इस भव्य कार्यक्रम में अपने अभिनय कर नाटिका को यादगार बनाया। फरिश्तों के रूप में जीएनएम की छात्राओं ने सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम के समापन पर डायसिस ऑफ दिल्ली, चर्च ऑफ नार्थ इंडिया के बिशप एवं फिलाडेल्फिया हॉस्पिटल सोसाइटी के अध्यक्ष राइट रेवरेंड डॉ. पॉल स्वरूप ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए बताया कि किस प्रकार मानवता की सेवा के लिए परमेश्वर ने अपने इकलौते पुत्र को पृथ्वी पर भेजा और उन्होंने जगत की ज्योति बनकर प्रकाश करने का कार्य किया। लोगों को प्रेम का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में सुखविन्द्र कौर, राजविंदर कौर, विकास, सूरज के साथ-साथ सभी डिपार्टमेंट स्टाफ और डॉक्टर्स ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया, कार्यक्रम का मंच संचालन प्रशासनिक अधिकारी अमित कपूर द्वारा किया गया।

कांग्रेस के निर्वतमान प्रदेश उपाध्यक्ष को पुलिस ने उनके आवास में किया नजरबंद

महंगाई और किसानों की समस्याओं को लेकर बुधवार को करना था विधानसभा का घेराव

■ महोबा

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा बुधवार को किसानों की समस्याओं, महंगाई, बेरोजगारी आदि को लेकर विधानसभा का घेराव किया जाना था, लेकिन वर्तमान सरकार ने लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते हुए एक दिन पूर्व कांग्रेस के निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष धुरिया को शहर के गांधीनगर स्थित घर पर पुलिस ने नजरबंद कर दिया। निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष को हाउस अरेस्ट किए जाने की जानकारी दूसरे दिन कांग्रेस के पदाधिकारियों को मिली तो वह नजरबंद किए जाने का विरोध करते हुए निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष घर पहुंच गए, जहां पर कांग्रेस पदाधिकारियों को भी नजरबंद कर लिया गया।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में 18 दिसंबर 2024 को महंगाई, बेरोजगारी ,भ्रष्टाचार और किसानो की मांग को लेकर विधानसभा का घेराव किया जाना था लेकिन सरकार ने लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते हुए कांग्रेस पार्टी के निवर्तन प्रदेश उपाध्यक्ष कांग्रेस संतोष कुमार धुरिया को उनके घर पर ही एक दिन पूर्व ही हाउस अरेस्ट कर लिया गया और दूसरे दिन भी 12:15 तक अरेस्ट रखा गया। निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष को नजरबंद और गिरफ्तारी की जानकारी कांग्रेस पार्टी के सभी पदाधिकारियों को हुई, जिस पर सभी पदाधिकारी एक राय होकर निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष के हाउस अरेस्ट का विरोध करते हुए उनके घर आ गए और पुलिस से सभी पदाधिकारियों को विधानसभा घेराव के लिए लखनऊ जाने देने के लिए आग्रह किया, लेकिन मौजूद पुलिस अधिकारियों ने एक नहीं मानी।

इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी अजीज खान ने पुलिस की कार्रवाई को अलोकतांत्रिक और निंदनीय बताते हु कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक को अपनी बात कहने का अधिकार है। कांग्रेस जनता की आवाज है, जिसे यह अंधी बहरी सरकार दबाने की कोशिश कर रही है। जब यह सरकार डरती है, तो पुलिस का सहारा लेती है। प्रमोद निरंजन ने कहा कि यह हमारा संवैधानिक अधिकार है आप इस तरह से लोकतंत्र की हत्या नहीं कर सकते। देव दत्त तिवारी ने कहा कि लोक तांत्रिक तरीके से सरकार की गलत नीतियों का विरोध करना विपक्ष का परम कर्तव्य है। मामा भारती ने कहा पुलिस का बल पूर्वक हमें जाने से रोकना यह संविधान विरोधी कृत है। संतोष धुरिया ने कहा कि सरकार का लोकतंत्र विरोधी काम है सरकार तानाशाही कर रही है। सरकार महंगाई बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को रोकने में पूरी तरह से नाकाम रही है कांग्रेस पार्टी इन जन विरोधी नीतियों का विरोध करती रहेगी। पुलिस द्वारा निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष के घर पर प्रियांशु गोरे, अजय कोहली इसरार खान, मासूम कली आदि को नजर बंद करा गया।

हाउस अरेस्ट कर नहीं दबा सकते किसानों की आवाज : डा. पंकज तिवारी

रेल रोको आंदोलन विफल करने के लिए राष्ट्रीय प्रवक्ता को किया नरजबंद

■ महोबा

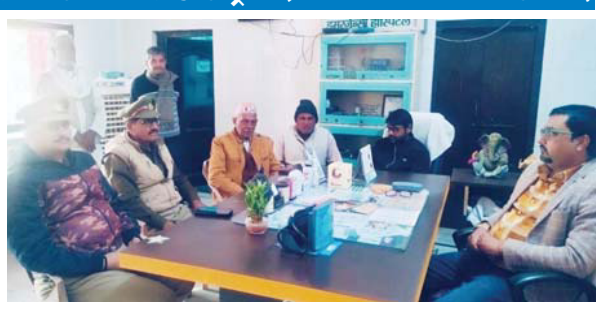

किसानों की समस्याओं को लेकर किसान संगठनों द्वारा प्रदर्शन कर आवाज उठाते हुए 16 दिसम्बर को 101 किसानों का काफिला दिल्ली रवाना हुआ, लेकिन किसानों को हरियाणा पुलिस ने बार्डर पर रोक दिया गया, जिसके बाद किसान नेताओं ने बुधवार को रेल रोको अभियान का ऐलान किया। वर्तमान सरकार द्वारा रेल रोको अभियान में किसानों के शामिल न होने देने की रणनीति के तहत जिले के बुंदेलखंड किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डा0 पंकज तिवारी को उनके घरों में सुबह से ही पुलिस की निगरानी में नजरबंद कर दिया गया, जिससे किसानों का रेल रोको अभियान विफल हो सके।

न्यूनतम समर्थन मूल्य समेत कई मांगों को लेकर किसान प्रदर्शन कर रहे हैं। 16 दिसंबर को 101 किसानों का जत्था शंभू बॉर्डर से दिल्ली रवाना हुआ था। हालांकि जत्थे को हरियाणा पुलिस ने बॉर्डर पर रोक दिया था। जिसके बाद किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने बुधवार को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक रेल रोको का ऐलान किया है साथ ही उन्होंने पंजाब के लोगों सहित देश के सभी किसान नेताओं से इस आंदोलन में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है। इस रेल रोको आंदोलन को सफल बनाने के लिए बुंदेलखंड किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डा0 पंकज तिवारी, संगठन प्रभारी बालाजी, जिलाध्यक्ष देवीदीन राजपूत सुबह जैसे ही घर से आंदोलन में शामिल होने के लिए रवाना होने लगे वैसे ही स्थानीय पुलिस द्वारा उनको नजर बंद कर लिया गया।

कस्बा पनवाड़ी स्थित तिवारी मेडिकल हॉल में बुंदेलखंड किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डा0 पंकज तिवारी सुबह से शाम तक पुलिस की निगाहों में कैद रहे, पुलिस द्वारा नजरबंद किए जाने पर बुंदेलखंड किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि तानाशाही सरकार पुलिस को आगे करके हमारी आवाज को दबाना चाहती है, लेकिन हम किसानों की आवाज अंतिम सांस तक उठाते रहेंगे, प्रशासन पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि मूंगफली खरीद में दलालों का बोलबाला है। किसी भी केंद्र पर बिना पैसे दिए किसानों का काम नहीं हो रहा है। संगठन प्रभारी बालाजी ने कहा कि यह लड़ाई किसान के स्वाभिमान, सम्मान और अस्तित्व की है और इस लड़ाई के लिए हमारा संगठन सदैव आगे आकर लड़ता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

दबंग ने नष्ट कर दी खेत में खड़ी फसल

चित्रकूट। तीन बीघे खेत मे खडी फसल को दबंग ने नष्ट करा दिया। पीडित ने इसकी षिकायत थाने मे की। जहां पुलिस ने जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है। ग्राम पंचायत बरहा कोटरा निवासी ज्ञानचंद निषाद के तीन बीघा में अरहर की फसल थी दबंग इन्द्रेष त्रिपाठी पुत्र शत्रुघन त्रिपाठी ने अपनी भैंसों को खेतों में हाक दिया जिससे खेती नष्ट हो गयी। उलाहना देने जब गए तो दबंग ने घर मे धमकी दी कि हम तुम्हें छोड़ेंगे नहीं जान से मारने की धमकी दी। दबंग ने पुलिस को स्वयं कॉल करके बुलाया मौके पर पुलिस पहुंची दोनों पक्ष को कोतवाली बुलाया। उसने बताया कि वह गरीब परिवार से है झोपड़ी में रहता है पैर से विकलांग है। पीडित ने एसपी से कार्रवाई कर जान माल की रक्षा की गुहार लगायी है।

हाईस्कूल इंटरमीडिएट का परीक्षा कार्यक्रम हुआ घोषित

चित्रकूट। जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि वर्ष 2025 की हाईस्कूल-इण्टरमीडिएट परीक्षा का परीक्षा कार्यक्रम घोषित किया जा चुका है। प्रधानाचार्यों द्वारा अपने-अपने विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के अपलोड कराये गये विवरणों का एक बार पुनः पूरी सतर्कता एवं गहनता से जाँच कर लें। विशेषकर शिक्षकों के नाम, जन्मतिथि, नियुक्ति तिथि, पंजीकरण संख्या एवं अध्यापन का विषय, अर्हता एवं हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट के जिस विषय के अध्यापन उनकी नियुक्ति की गयी है।

धौलपुर ने मैहर को 35 रनों से दी शिकस्त

चित्रकूट। चित्रकूट चैलेंज कप के पूल बी के पहले क्वार्टर फाइनल मैच में राजस्थान धौलपुर ने गतवर्ष की उपविजेता मैहर की टीम को 35 रन से हराकर सेमीफाइनल प्रवेश किया। मैच से पूर्व प्राचार्य कामतानाथ हायर सेकेंडरी स्कूल केके बाजपेई एवं ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रोफेसर अभय वर्मा ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ कराया। धौलपुर की टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए उत्कर्ष पांडे के 31 एवं विवेक के 22 रनों के योगदान से निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट होकर 141 रन बनाए। मैहर के आकाश को तीन और रूणेंद्र को दो विकेट प्राप्त हुए। जवाब में मैहर की टीम आकाश के 38 रनों की संघर्षपूर्ण पारी के बावजूद 16 ओवर दो गेंद में 105 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। धौलपुर की ओर से वंश ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लेकर मैन ऑफद मैच चुने गए। मैच के अंपायर रोशन सेन, वेद प्रकाश मिश्रा कमेंटेटर सर्वेश निगम, मनोज मिश्रा स्कोरर शशि भूषण सिंह रहे। मैच के दौरान मनोज सैनी, कालिका प्रसाद, सुरेंद्र पाल, मदन तिवारी, रामेश्वर प्रजापति, रमाकांत कुशवाहा, सुनील दुबे, अंकुर यादव ,मुकेश, दशरथ आदि मौजूद रहे।

सदर विधायक ने फिर उठाये जनहित के मुददे

चित्रकूट। विधानसभा के तृतीय सत्र मे बुधवार को सदर विधायक अनिल प्रधान ने ऊर्जा मंत्री से प्रदेष में उपभोक्ताओं को विभिन्न परिवर्तकों से कनेक्षन देने का मानक तथा ऐसे क्षेत्र जहां पर सरकार द्वारा विद्युत लाइन का कार्य नहीं किया गया है उक्त क्षेत्र में निवासित लोगों को कनेक्षन देने की सरकार की क्या योजना है और सरकार ऐसे क्षेत्रों में विद्युतीकरण का कार्य कराकर उक्त को कनेक्षन उपलब्ध कराने व बिना विद्युतीकरण के जनता के आधार कार्ड लेकर कनेक्षन कर दिये न विद्युत का पता न ही खम्भे का। केवल बिल आ रहा है, मीटर रखे हैं। पैसा जमा करने के बाद भी विद्युत सामग्री 2-2 साल तक नहीं मिल रही है। बुन्देलखण्ड में किसानों को निजी ट्यूबवेल के कनेक्षन फ्री एवं फ्री विद्युत सामग्री मिलती थी उसको पुनः प्रारम्भ कराया जाए। जीएसटी, सुपर सरचार्ज एवं कई अन्य प्रकार के खर्च जोड़ दिया जाता है जिससे बहुत मंहगा स्टीमेट बनता है जिसको संसोधन किया जाए और हर जनपदों में विजलेंस थाने अर्थात् जनता को लूटने के लिए जो थाने बनाए गये हैं लोग जितना सिविल पुलिस से नहीं डरते उतना तो विजलेंस पुलिस से डरते हैं जिस पर रोक लगाई जाए सहित अन्य मांगे शामिल रही।

श्रीराम वाटिका इको पार्क का डीएम ने किया निरीक्षण

चित्रकूट। लगभग 11 करोड़ की लागत से जनपद के गणेश बाग में निर्माणाधीन पार्क श्रीराम वाटिका इको पार्क का विकास कार्यों का जिलाधिकारी ने निरीक्षण किया। उन्होने श्रीराम वाटिका में चिल्ड्रन पार्क, लाईटिंग, जॉगिंग, बाउंड्री वॉल से आच्छादित एवं प्राकृतिक सौंदर्य को लिए हुए श्री राम वाटिका आदि सुविधा सुसज्जित रहेगी। उन्होंने कार्य दाई संस्था उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड इकाई 13 बांदा को निर्देशित किया कि कार्यों में मैनपॉवर बढ़ाकर प्रगति कराए। किसी प्रकार किसी शिकायत नहीं आनी चाहिए नहीं तो संबंधित कार्यादाई संस्था के ऊपर कारवाई की जाएगी। इस अवसर पर साइड इंचार्ज मनीष मोदी उपस्थित रहे।

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है किसी विज्ञापन पर किसी भी प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में अपनी पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता या विज्ञापनदाता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापन दाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है कि कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले विज्ञापन के बारे में पूर्ण जांच पड़ताल कर लें तब आगे बढ़े। समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के बारे में किसी पाठक के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

विधायक अविनाशचन्द्र ने की सीएम से भेंट, विधानसभा क्षेत्र के उठाये मुद्दे

चित्रकूट। मऊ मानिकपुर विधायक अविनाष चन्द्र द्विवेदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर विधानसभा क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओ के बारे मे अवगत कराते हुए निदान की मांग की है।

मुख्यमंत्री से भेंट के दौरान विधायक ने बताया कि उनके क्षेत्र मे 70 गांव की कुछ आवष्यकताये है जो उत्तर प्रदेष-मध्य प्रदेष सीमा से सटी हुई है। बताया कि वर्षा ऋतु के दौरान अचानक बाढ आ जाती है इससे कई क्षेत्रो मे आवागमन बंद हो जाता है अनेको प्रचीन तीर्थस्थल है जहां करोडो लोग देष विदेष से दर्षन करने आते है। मध्य प्रदेष से सीमा से सटे मैहर माता मंदिर का तीर्थस्थान है यहां बडी संख्या मे दर्षन के लिये लोग आते है। उन्होने बताया कि डीएम कार्यालय मे समीक्षा बैठक हुई थी लघु सेतु के निर्माण के लिये मौखिक आदेष दिया गया था जिसमे दो अंतर्राज्यीय उत्तर प्रदेष-मध्य प्रदेष सीमा को जोडने के कारण कई पुलो का निर्माण कराया जाना आवष्यक है। मानिकपुर उंचाडीह, मउ गुरदरी मार्ग पर चमरौहा बरदहा नदी मे सेतु पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य, मउ से बरवार रोड पर मवईकला के पास कछार नाला पर सेतु निर्माण ग्राम पंचायत निही के पास छुलछुलिया नदी पर पुल बनाये जाने की आवष्यकता है। उन्होने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि इन सेतुओ के मानको मे षिथिलीकरण करते हुए जनहित मे नये पुलो और नाव का निर्माण करा दिया जाये तो लोगो का आवागमन निर्बाध रूप से शुरू हो जायेगा।

रैपुरा पुलिस ने पीड़ित की नहीं लिखी रिपोर्ट

दबंगों के सामने दंपति को अंदर करने की दी धमकी

■ चित्रकूट

जानकारी देता पीडित परिवार

पुलिस अधीक्षक को लिखे पत्र मे पीडित वादी ने प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है।

बुधुलिया पत्नि दिनेश राजपूत निवासी वंषरूप का पुरवा मजरा भौरी थाना रैपुरा ने बताया कि उनकी बेटी इंटर कालेज भौरी मे कक्षा 10 की छात्रा है। पडोसी मुन्ना राजपूत की बहन रेवती देवी अपने पुत्र प्यारे लाल की षादी की बात की थी प्रार्थिया के मना करने पर नाराज हो गये। इसके बाद उनकी बेटी से प्यारेलाल चोरी छिपे मोबाइल से बात करने लगा फिल्मो मे काम देने के बहाने घर से भगा ले गया पिछले 21 नवंबर को उसकी बेटी को भगा ले गया। प्रार्थिया रात मे ही थाने पहुंची और थाने मे एफआईआर के लिये पत्र दिया लेकिन थानाध्यक्ष ने रिपोर्ट लिखने से मना कर दिया। सात दिसंबर को एसओ रैपुरा का फोन आया कि आपकी बेटी मिल गयी है ले जाओ प्रार्थियां अपने पति को लेकर थाने पहुंची तो देखा कि थाने पर उसकी बेटी रेवती देवी, राममिलन, प्यारेलाल, मुन्ना राजपूत, अर्जुन राजपूत भी मौजूद रहे। प्रार्थियां को देखकर उनकी बेटी जोर-जोर से रोने लगी और प्यारे लाल की जबरदस्ती की बात बतायी। लगभग 17 दिन तक प्यारे लाल दूसरे प्रांतो मे रखकर जबरन संबंध बनाये। प्रार्थी ने आरोप लगाया कि थानाध्यक्ष रैपुरा ने न तो उनकी रिपोर्ट लिखी और न ही उसकी नाबालिग पुत्री का डाक्टरी परीक्षण कराया उल्टा दंपत्ति को जेल भेजने की धमकी देते रहे।

थानाध्यक्ष ने लिखित लेकर बेटी को सुपुर्द कर दिया। थाने से न्याय न मिलने पर पीडित दंपत्ति 156 (3) जरिये अधिवक्ता कामरेड रूद्र प्रसाद मिश्र के साथ न्यायालय मे न्याय के लिये अर्जी दी है।

विधिक साक्षरता एवं जागरूकता का हुआ आयोजन

चित्रकूट। पोस एक्ट से संबंधित विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन न्यायालय परिसर में किया गया।

रेनू मिश्रा अध्यक्ष कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से सम्बन्धित शिकायत प्रकोष्ठ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट मे बताया कि कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए, साल 2013 में लागू किया गया था।

नीलू मैनवाल सचिव अपर जिला जज ने बताया कि इस अधिनियम के तहत, हर संगठन को अपने महिला कर्मचारियों के लिए यौन उत्पीड़न से जुड़ी नीतियां, रोकथाम की प्रणालियां, और सेवा नियम तय करने होते हैं. इसके अलावा, कंपनी की हर शाखा में एक इण्टर्नल कमेटी का गठन करना जरूरी होता है। इस अवसर पर सैफाली यादव, सुश्री अंजलिका प्रियदर्शिनी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम उपस्थित रहे।

ब्लॉक की समितियों में खाद की भारी किल्लत

बांदा। योगी सरकार में किसान एक एक बोरी के खाद के लिए सुबह भोर में आकर बैठ जाता है,जब समिति खुलती है तो अध्यक्ष तथा सचिव मिलकर अपने लोगों को खाद देते हैं वहीं अन्य किसानों की नहीं मिल पाती हैं खाद ।किसानों का कहना कि जो अध्यक्ष व सचिव के चहेते हैं वो यहां से खाद ले जाकर अधिक दामों में बेच में रहे हैं ।सचिव अजय शुक्ला का कहना है कि मांग के अनुसार नहीं आती है खाद तो कैसे दे सब को जितनी आती हैं वह बांट दी जाती हैं ।अध्यक्ष राकेश सिंह चौहान का कहना कि जो सोसाइटी के सदस्य हैं उनको ही दी जाएगी खाद ।किसान नेता पुष्पेन्द्र सिंह चुनाले का कहना है कि प्रदेश की भाजपा सरकार अन्नदाताओं को खाद दे पाने में नाकाम रहीं है ।किसान सुबह से शाम तक एक एक बोरी के लिए लाइन में खड़ा रहता है लेकिन खाद नहीं मिलती ।वहीं दूसरी ओर जसपुरा क्षेत्र के भाजपा नेता सोसायटी में आते हैं और अपने व अपने चहेते को सैकड़ों बोरी खाद सोसायटी के सदस्य के नाम पर ले जाते हैं ।ये जसपुरा क्षेत्र की जितनी भी सोसायटी हैं (बड़ागांव; चंदवारा; जसपुरा; रामपुर आदि) सब पर यही खेल हो रहा है क्षेत्र का अभी लगभग 80त्न किसान सोसायटी का सदस्य नहीं है तो क्या उसे खाद नहीं मलेगी ।इन्हीं अन्नदाताओं ने अभी लोकसभा में भाजपा को सबक सिखाया है और आने वाले सभी चुनावों में भाजपा को सबक सिखाने का काम करेंगे।

एआरटीओ ने चेकिंग दौरान बिना परमिट के ऑटो को पहुंचाया पुलिस चौकी

आटो में बैठक स्कूली बच्चों को विद्यालय पहुंचाकर दी यातायात की जानकारी

■ महोबा

शासन के निर्देश पर एआरटीओ द्वारा जिले में वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। वाहन चेकिंग दौरान ट्रेफिक नियमों का उल्लघंन करने वाले और बिना कागजात के चलने वाले वाहनों पर शिकंजा करते हुए चालान किए जा रहे है। बुधवार को एआरटीओ ने शहर के बिलबई चुंगी पर चेकिंग अभियान चलाकर बिना परिमिट और फिटनेस के बच्चों को स्कूल ले जा रहे एक आटो को पकड़ लिया और कार्रवाई करते हुए आटो में बैठे बच्चों को अपने वाहन से स्वयं विद्यालय पहुंचाया। विद्यालय में एआरटीओ ने यातायात नियमों के प्रति बच्चों और शिक्षकों को जागरूक किया।

एआरटीओ दयाशंकर ने अभियान के तहत बिलबई चुंगी में वाहन चेकिंग करते हुए आने जाने वाले वाहनों को रोककर उनकी फिटनेस, बीमा, रजिस्ट्रशन आदि कागजों को चेक किया साथ ही चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस को भी देखकर पूछताछ की। चेकिंग दौरान सबसे ज्यादा स्कूली वाहनों और बच्चों को ले जा रहे आटो टेंपो आदि वाहनों को चेक किया और क्षमता से अधिक बच्चों को न बैठाए जाने की हिदायत भी दी गई। एआरटीओ ने चेकिंग करते समय बच्चों को केंद्रीय विद्यालय ले जा रहे एक आटो को रोका और चालक से वाहन के कागज मांगे, लेकिन चालक के पास फिटनेस बीमा और परमिट न होने पर कार्रवाई करते हुए पुलिस चौकी में आटो खड़ा करवा दिया। आटो न होने से करीब एक दर्जन बच्चे विद्यालय जाने के लिए परेशान हो गए, जिस पर एआरटीओ ने बच्चों को अपने साथ निजी वाहन में बैठाकर विद्यालय तक पहुंचाया।

एआरटीओ ने बच्चों को केंद्रीय विद्यालय पहुंचाने के बाद स्कूल के स्टाफ से मुलाकात की और छात्र छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि नाबालिग छात्र छात्राएं वाहन न चलाए बल्कि अपने परिजनों के साथ स्कूल तक आए जाएं या फिर स्कूली व प्राइवेट वाहनों का सहारा ले। उन्होंने बच्चों से कहा कि वह अपने परिजनों व आसपास के बड़ों को यातायात नियमों के तहत वाहन चलाए जाने के लिए जागरूक करें और बाइक चलाते समय हेलमेट व कार चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें जो उनकी यात्रा को सुरक्षित बनाएगे।

जिला समन्वय पर्यवेक्षक ने निरीक्षण कर परीक्षा केंद्रों की देखी व्यवस्थाएं

पीसीएस परीक्षा केंद्रों में छोटी छोटी कमियों को जल्द दूर करने के दिए निर्देश

■ महोबा

जिले में लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस परीक्षा 22 दिसम्बर को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए नियुक्त किए गए जिला समन्वय पर्यवेक्षक संतोष कुमार यादव द्वारा जिले में बनाए गए दस परीक्षा सेंटरों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण दौरान जिला समन्वय पर्यवेक्षक परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार से लेकर परीक्षा कक्षों का निरीक्षण कर प्रकाश, सीटिंग प्लान, सीसी टीवी कैमरों को देखा साथ ही कमी पाए जाने पर जल्द से जल्द कमी दूर करने के निर्देश दिए गए।

पीसीएस परीक्षा 2024 को पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिले में दस केंद्र बनाए गए है। इन परीक्षा केंद्रों में परीक्षा कराए जाने को लेकर तैयारियों को पूरी कर ली गई हैं। केंद्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए लोक सेवा आयोग द्वारा जिले में नियुक्त किए गए जिला समन्वय पर्यवेक्षक को भेजा गया, जिन्होंने टीम के साथ पहुंचकर परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। पर्यवेक्षक ने डीएवी इंटर कालेज, राजकीय बालिका इंटर कालेज महोबा, राजकीय इंटर कालेज श्रीनगर सहित अन्य परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण दौरान जिन कक्षाओं में परीक्षा होनी है उन कक्षाओं को बारीकी से देखा और प्रकाश, परीक्षार्थियों के बैठने के टेबल कुर्सी, कक्षों में सीसी टीवी कैमरों को देखा और परीक्षार्थियों के सीटिंग प्लान पर नजर डाली गई। परीक्षा केंद्रों पर छोटी छोटी कमियां पाए जाने पर तत्काल दुरूस्त कराए जाने के निर्देश दिए गए।जिला पर्यवेक्षक संतोष कुमार यादव ने बताया कि जिले में लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस परीक्षा के लिए दस केंद्र बनाए गए जिनमें 4128 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। केंद्रों में परीक्षा दो पालियों में कराई जाएगी जिसमें प्रथम पाली की परीक्षा का समय सुबह साढ़े नौ बजे जबकि दूसरी पाली का समय दोपहर ढाई बजे निर्धारित किया गया है। बताया कि परीक्षा के लिए दो घंटे का समय परीक्षार्थियों को दिया जा रहा है। निरीक्षण के समय जिला विद्यालय निरीक्षक सहित सेक्टर स्टैटिक और जोनल मजिस्ट्रेट मौजूद रहे। बताया कि परीक्षा के समय परीक्षार्थियों की कई बार तलाश के बाद कक्षों में प्रवेश दिया जाएगा साथ ही परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल भी तैनात की जाएगी, जिससे पीसीएस परीक्षा को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराई जा सके।

संक्षिप्त समाचार

पराली जलाने पर लगेगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली। सरकार खुले में कृषि अपशिष्ट जलाने पर भारी जुर्माना लगाने और कचरे को अलग-अलग नहीं करने के लिए व्यक्तियों एवं प्रतिष्ठानों पर जुर्माना लगाने का अधिकार सफाई कर्मियों को देने की योजना बना रही है। साथ ही ग्रामीण इलाकों में कचरा प्रबंधन के तरीकों को सुधारने, मजबूत निगरानी व्यवस्था बनाने और लंबे समय से लगे कचरे के ढेरों से निपटने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। नौ दिसंबर को जारी ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2024 के मसौदे के अनुसार, यह सुनिश्चित करना स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी होगी कि कृषि या बागवानी अपशिष्ट जलाने की कोई घटना न हो और ऐसा करने वालों पर भारी जुर्माना लगाया जाए। इस बारे में संबंधित लोगों से आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

कार दुर्घटना में महिला प्रशिक्षु पायलट की जान गई

पुणे। पुणे जिले में हुए सड़क हादसे में दो प्रशिक्षु पायलट की मौत होने के साथ ही मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। इस घटना में उनकी 21 वर्षीय महिला साथी पहले ही दम तोड़ चुकी थी। पुलिस ने बताया कि चेष्टा बिश्नोई की मंगलवार शाम को पुणे के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी और उसके परिवार के सदस्यों ने उसके अंग दान कर दिए हैं। पुणे जिले में बारामती-भिगवान रोड पर नौ दिसंबर को एक कार के पेड़ से टकरा जाने के कारण प्रशिक्षु पायलट तक्षु शर्मा और आदित्य कनासे की मौत हो गई, जबकि कृष्णा सिंह तथा चेष्टा बिश्नोई घायल हो गए थे। पुलिस ने बताया था कि पीड़ितों ने बारामती में एक पार्टी के दौरान शराब पी थी और फिर वे कार में सवार होकर भिगवान की ओर निकल गए थे।

दौसा में कपड़े के गोदाम में लगी आग

दौसा। शहर के नई मंडी रोड पर एक कपड़े के गोदाम में गुरुवार सुबह आग लग गई। इसमें लाखों रुपए का कपड़ा जलकर खाक हो गया। आग इतनी विकराल थी कि से बुझाने में करीब तीन घंटे लग गए। आग बुझाने में पांच दमकल और सात टैंकर लगाए गए। जेसीबी से गोदाम की दीवार को तोड़ा गया। तब जाकर आग पर काबू पाया जा सका। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह 6:00 बजे रमन वधावन के कपड़े के गोदाम में आग लग गई। गोदाम में सिंथेटिक व वूलन कपड़ा भरा हुआ था। इससे आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना मिलने पर दमकल मौके पर पहुंच गई। नगर

भारत के एनएसए अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी की अगुआई में हुई

जल्द शुरू होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा, चीन-भारत के बीच हुई बैठक में बनी सहमति

- नाथुला सीमा पर भारत-चीन के बीच बंद कारोबार भी शीघ्र शुरू करने का निर्देश
- नदियों के जल बंटवारे पर बंद पड़ी वार्ता की भी शुरुआत की जाएगी

एजेंसी, नई दिल्ली

कैलाश मानसरोवर यात्रा की शुरुआत जल्द होने की संभावना है। बुधवार को भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के स्तर पर हुई वार्ता में इस बारे में न सिर्फ सहमति बनी, बल्कि आवश्यक निर्देश भी दे दिए गए हैं। साथ ही सिक्किम स्थित नाथुला सीमा पर भारत-चीन के बीच बंद कारोबार भी शीघ्र शुरू करने का निर्देश दिया गया है। यह सहमति भी बनी कि दोनों देशों के बीच साझा नदियों के जल बंटवारे पर बंद पड़ी वार्ता की भी शुरुआत की जाएगी। विशेष प्रतिनिधि (एसआर) स्तर की वार्ता भारत के एनएसए अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी की अगुआई में हुई। एसआर स्तर की बातचीत दोनों देशों के बीच वर्ष 2005 से हो रही है, जिसका उद्देश्य सीमा विवाद का स्थायी समाधान निकालना है। यह 23वीं दौर की एसआर वार्ता थी, जो वर्ष 2020 में पूर्वी लद्दाख स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर विवाद शुरू होने के बाद से बंद थी। एसआर वार्ता के बाद दोनों देशों की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि यह वार्ता काफी सकारात्मक माहौल में हुई।

कजान की मुलाकात में हुआ था फैसला

भारत की तरफ से बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच कजान में हुई मुलाकात में यह फैसला किया गया था कि एसआर स्तर की बातचीत शुरू की जाएगी, ताकि सीमा पर अमन-शांति बहाल हो सके और सीमा से जुड़े मुद्दे का निष्पक्ष, उचित और दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान निकाला जा सके। दोनों प्रतिनिधियों ने इस बात पर जोर दिया कि राजनीति नेतृत्व की तरफ से मिले निर्देश के मुताबिक सीमा विवाद का समाधान निकाला जाना चाहिए और इसके लिए मौजूदा प्रक्रिया को और ज्यादा गतिशील बनाया जाएगा। वर्ष 2020 में भारत-चीन सीमा के पश्चिमी क्षेत्र में उपजे तनाव की समाप्ति पर बनी सहमति के बाद यह पहली बैठक थी।

पशु चराने पर भी बनी सहमति

विशेष प्रतिनिधियों ने इस बात पर जोर दिया कि अक्टूबर, 2024 में संबंधित क्षेत्रों में गश्त और पशुओं को चराने की अनुमति देने के संबंध में बनी सहमति को लागू करना सकारात्मक रहेगा। साथ ही कहा कि सामान्य द्विपक्षीय संबंधों के लिए सीमा पर शांति बनाए रखना बहुत जरूरी है। वर्ष 2020 के घटनाक्रम से सबक सीखते हुए सीमा पर शांति व्यवस्था बनाए रखने व सीमा प्रबंधन के लिए कई विकल्पों व नए सुझावों पर भी विमर्श किया गया। यह फैसला किया गया कि इस संदर्भ में कदम उठाने के लिए संबंधित कूटनीतिक व सैन्य व्यवस्थाओं के बीच आवश्यक समन्वय किया जाएगा व निर्देश दिया जाएगा।

मानसरोवर की यात्रा होगी शुरू

चीन के विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि दोनों पक्ष सीमा पार विनिमय और सहयोग मजबूत बनाने की कोशिश जारी रखने को सहमत हैं। भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए तिब्बत स्थित कैलाश मानसरोवर की यात्रा और नाथुला में कारोबार फिर शुरू करने पर सहमति बनी है। उक्त तीनों मामलों के बारे में भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया कि इनके लिए सकारात्मक निर्देश दिए गए हैं। सनद रहे कि नाथुला में काफी अरसे से भारत व चीन के बीच कारोबार होता रहा है। 1962 के युद्ध के बाद यह बंद कर दिया गया था। बाद में 2006 में इसकी शुरुआत हुई थी। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को देखते हुए यह फिर बंद कर दिया गया था।

सूरत में तापी नदी के तट पर सांता क्लॉज की पोशाक पहने एक व्यक्ति सीगल को खाना खिलाता हुआ।

संभल : सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए

प्राचीन शिव मंदिर की कार्बन डेटिंग से होगी जांच

संभल। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यानी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की टीम आज उत्तर प्रदेश के संभल का दौरा करेगी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की टीम शिव मंदिर और वहां मिले कुएं जिसकी खुदाई की जा रही है उसका सर्वे करेगी। इस सर्वे के माध्यम से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यह जानने की कोशिश करेगी कि ये मंदिर और कुआँ कितना पुराना है। खग्गुसराय क्षेत्र में 46 साल बाद प्राचीन कार्तिकेश्वर महादेव मंदिर खोला गया था। इस मंदिर के पास स्थित कुएं और मूर्तियों की कार्बन डेटिंग के लिए एएसआई की टीम संभल पहुंच रही है। एएसआई टीम के आने की सूचना को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में लगा हुआ है। यहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण निरीक्षण करके जांच करने की कोशिश करेगी ये मंदिर और कुआं कौन सी सदी का है और इसका महत्व क्या है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की 4 सदस्यों की टीम मंदिर और कुएं का सर्वे करेगी।

अंधे के हाथ लग गई बटेर

जिस परिवार के लिए संजय गांधी बाबा साहेब अंबेडकर से महान थे, उनके ही फोटो को राहुल और प्रियंका सीने से लगाकर संसद भवन में प्रदर्शन कर रहे हैं।

इंडिया गेट से

अजय सेतिया की कलम से

जिन बाबा साहेब अंबेडकर का कांग्रेस मुख्यालय में 2010 तक फोटो नहीं लगा था। कांग्रेस उन बाबा साहेब अंबेडकर के फोटो को सीने से लगाए घूम रही है। मैंने 1992 से लेकर 2010 तक हर रोज कांग्रेस की बीट कवर की है। 2010 में ईटीवी का संपादक बनने के बाद भी यदा-कदा कांग्रेस मुख्यालय की दैनिक ब्रीफिंग में जाता रहा। मैंने ब्रीफिंग हाल में डॉ. अंबेडकर की फोटो नहीं देखी थी। नेहरू ने संविधान की ड्रॉफ्ट कमेटी के चेयरमैन डॉक्टर अंबेडकर को अपने पहले मंत्रिमंडल में नहीं रखा था। महात्मा गांधी के कहने पर उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था। जिन डॉ. अंबेडकर को जवाहरलाल नेहरू फूटी आंख नहीं सुहाते थे, जिनको चुनाव में हराने के लिए नेहरू ने एड़ी चोटी का जोर लगा कर हराया था। वोटों में हेराफेरी करके हराया था, उन डॉ. अंबेडकर की फोटो कांग्रेसी सीने पर लगाकर घूम रहे हैं। जिन डॉ. अंबेडकर का स्मारक बनवाने से नेहरू ने इनकार कर दिया था, उन्हीं बाबा साहेब अंबेडकर का फोटो अब सारे कांग्रेसी सीने से लगाए घूम रहे हैं। खुद को भारत रत्न की उपाधि देने वाले नेहरू और इंदिरा ने डॉ. अंबेडकर को पद्मश्री भी नहीं दिया था। जिन बाबा साहेब अंबेडकर की संसद के सेंट्रल हाल में कांग्रेस ने 1990 तब फोटो नहीं लगने दी। तब तक नेहरू, इंदिरा और संजय गांधी की फोटो भी सेंट्रल हाल में लग गई थी। जबकि, संजय गांधी कुछ भी नहीं था, कभी मंत्री भी नहीं रहा। जिस परिवार के लिए संजय गांधी बाबा साहेब अंबेडकर से महान थे, उनके ही फोटो को राहुल और प्रियंका सीने से लगाकर संसद भवन में प्रदर्शन कर रहे हैं। संसद के सेंट्रल हाल में वीपी सिंह ने 12 अप्रैल 1990 में तब फोटो लगवाई, जब उन्हें भारत रत्न दिया गया। जिन अंबेडकर के मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने की खबरों पर नेहरू ने लिखा था कि अंबेडकर के इस्तीफा देने से कोई फर्क नहीं पड़ता। जो बाबा साहेब अंबेडकर अनुच्छेद-370 के खिलाफ थे, उन्हीं बाबा साहेब अंबेडकर को अब कांग्रेस सीने से लगाए घूम रही है। और, यह हृदय परिवर्तन इसलिए हुआ है, क्योंकि अंबेडकर दलित लीडर थे और कांग्रेस को दलितों का वोट चाहिए। कांशीराम ने दलितों की आंखे खोली, तब दलितों ने कांग्रेस का साथ छोड़ दिया था। तब से कांग्रेस का आधार खिसकता चला गया। कांशीराम के बाद दलित भाजपा से जुड़ गए। 1992 में बाबरी ढांचा टूटने के बाद मुस्लिम भी कांग्रेस का साथ छोड़ गए। 2004 में सोनिया गांधी ने गैर भाजपा विपक्षी दलों के बूते मनमोहन सिंह की सरकार बनाई थी। भाजपा के उभार के बाद मुस्लिम कांग्रेस में वापस लौट आए हैं। मायावती का ग्राफ गिरने लगा तो दलित भाजपा की तरफ आ गए। राहुल गांधी और समूचे विपक्ष ने 2024 के चुनाव में दलितों, आदिवासियों और ओबीसी को झूठा डर दिखाया कि मोदी आरक्षण बंद कर देंगे। भाजपा उसकी काट नहीं कर सकी और खासकर उत्तर प्रदेश में दलित अखिलेश यादव के पीडीए वाले झांसे में आ गए, जिसका अखिलेश को भी फायदा हुआ और राहुल गांधी को भी। लेकिन, चुनाव के तुरंत बाद दलितों को समझ में आ गया कि उनके साथ छलावा हुआ। भाजपा ने एक नहीं, डॉ. अंबेडकर के पांच स्मारक बनवाए। मऊ, नागपुर, मुंबई, दिल्ली और लंदन। वह लंदन में जिस घर में रहते थे, उसे भी मोदी सरकार ने खरीद कर स्मारक बनवाया। इसलिए जम्मू कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र के दलित दुबारा भाजपा से जुड़ गए। इन तीनों राज्यों में कांग्रेस फिर सन्नाटे में चली गई। राहुल गांधी ने संविधान पर बहस इसलिए करवाई थी, ताकि दलितों को फिर से भरमाया जा सके। लेकिन, भाजपा के सांसदों, खासकर मोदी और शाह ने बहस में दलितों, आदिवासियों और ओबीसी के आरक्षण पर नेहरू, इंदिरा और राजीव गांधी को पूरी तरह बेनकाब कर दिया। लेकिन, अमित शाह का अति उत्साह में कहा गया एक वाक्य सारा गुड़ गोबर कर गया। कांग्रेस को डॉ.अंबेडकर के प्रति नया नया प्यार उमड़ा है, जैसे नया-नया मुसलमान ज्यादा ही प्याज खाता है, वैसे ही कांग्रेस गांधी से ज्यादा अंबेडकर, अंबेडकर करने लगी है। इसी पर जरा ज्यादा ही उत्साह में अमित शाह ने कह दिया, डॉ. अंबेडकर का नाम अभी फैशन हो गया है। जितना अंबेडकर, अंबेडकर कर रहे हो, उतना नाम भगवान का लेते तो सात जन्म तक स्वर्ग मिल जाता। बहस में मात खाई कांग्रेस बुरी तरह हताश थी, अमित शाह के इस एक वाक्य से अंधे के हाथ बटेर लग गई। जिस गांधी परिवार ने, जिस कांग्रेस ने डॉ.अंबेडकर को संसद नहीं पहुंचने दिया, उसी डॉ.अंबेडकर को को अब राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भगवान का दर्जा दे रहे हैं, सिर्फ दलितों को मोदी-शाह और भाजपा के खिलाफ भड़काने के लिए।

यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में मारे गए उत्तर कोरियाई सैनिक के शव को आग लगा रहा

रूस-यूक्रेन युद्ध में अब तक मारे गए करीब 100 उत्तर कोरियाई सैनिक

एजेंसी, कीव

उत्तर कोरिया के सैनिक रूस की ओर से यूक्रेन के खिलाफ लड़ रहे हैं। इस बीच रूस के कुर्स्क इलाके में उत्तर कोरियाई सैनिकों के मारे जाने की खबर है। अमेरिकी अधिकारियों ने इससे जुड़ी जानकारी दी है। मिली जानकारी के अनुसार, यह पहली बार है जब उत्तर कोरियाई सैनिकों के हताहत होने की रिपोर्ट सामने आई है। अक्टूबर में खबर आई थी कि उत्तर कोरिया ने रूस की सेना को मजबूत करने के लिए 10,000 सैनिक भेजे हैं। यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी (GUR) ने भी कहा कि वीकेंड में लड़ाई के दौरान कम से कम 30 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए या घायल हुए। बुधवार को ही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने एक वीडियो शेयर करते हुए दावा किया है कि, रूस का एक सैनिक यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में मारे गए उत्तर कोरियाई सैनिक के शव को आग लगा रहा है। बता दें कि, उत्तर कोरिया के करीब 200 सैनिक कुर्स्क सीमावर्ती इलाके में मारे गए या घायल हुए हैं। गौरतलब है कि यूक्रेन और रूस के बीच करीब तीन साल से जंग जारी है। हालांकि, अभी तक इसका कोई समाधान निकलता नहीं दिख रहा है। इसके उलट यूक्रेनी सैनिकों को धूल चटाने के लिए उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपने सैनिकों को पुतिन का साथ देने के लिए जंग में भेजा है। यूक्रेन की जंग में नॉर्थ कोरिया के सैनिक रूसी सैनिकों का साथ दे रही है। नाम न बताने की शर्त पर उत्तर कोरिया के आधिकारिक नाम के संक्षिप्त नाम का उपयोग करते हुए अधिकारी ने कहा, हमारा अनुमान है कि डीपीआरके को कई सौ लोगों की क्षति हुई है।

ट्रंप ने बाइडन सरकार के 'शटडाउन' को टालने के समझौते का किया विरोध

वॉशिंगटन। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों से बुधवार को अपील की कि वे सरकार के 'शटडाउन' को टालने के लिए क्रॉस-पार्टी समझौते को खारिज कर दें। 'शटडाउन' का मतलब है कि अगर सरकार को जरूरी फंडिंग नहीं मिलती, तो सरकारी दफ्तर बंद हो सकते हैं और कर्मचारी बिना वेतन के घर भेजे जा सकते हैं। दोनों दलों के सांसदों ने समझौते पर सहमति बनाई थी कि सरकार को मार्च तक चलाने के लिए फंडिंग दी जाएगी और कर्मचारियों को बिना वेतन के घर नहीं भेजा जाएगा। लेकिन ट्रंप और उनके कई प्रमुख सहयोगी इस समझौते में अधिक खर्च को लेकर नाराज हैं। इनमें अरबपति कारोबारी एलन मस्क भी शामिल हैं। उनका कहना है कि इससे देश पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा। ट्रंप ने कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों को इस समझौते में दी गई रियायतें देश के साथ धोखा हैं।

तनातनी के बीच रूस का बड़ा दांव, भारत से रिश्ते और मजबूत करने पर फोकस

मॉस्को। अमेरिका समेत पश्चिम देशों से तनातनी के बीच रूस ने बड़ा दांव चला है। रूस अब भारत के साथ संबंधों को और मजूबत करने की तैयारी में हैं। रूस के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ वालेरी गेरासिमोव ने अमेरिका पर वैश्विक संघर्षों को भड़काने और हथियार नियंत्रण संधियों को खत्म करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मॉस्को का पश्चिम के प्रति न्यूनतम स्तर का भरोसा रखना असंभव है। उन्होंने कहा कि हथियार नियंत्रण समझौते में पश्चिम देशों के दोहरे मानदंड के चलते तमाम बाधाएं आ रही हैं। मॉस्को और पश्चिमी देशों के बीच विश्वास कम होने से हथियार नियंत्रण समझौते का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिहाज से अप्रासंगिक हो गया है। गेरासिमोव ने कहा कि हथियार नियंत्रण का मुद्दा अब पुराने समय की बात बन गया है। क्योंकि पश्चिम के दोहरे मानदंडों के कारण आज न्यूनतम स्तर के विश्वास पर लौटना असंभव है।

जलवायु परिवर्तन : सल्फर डाइऑक्साइड और अन्य कणों को पकड़कर हवा को शुद्ध करने में मदद करती है

बारिश की कमी के कारण बढ़ा वायु प्रदूषण, कम बर्फबारी का भी असर

- बारिश की कमी ने दिल्ली सहित देश के कई शहरों में प्रदूषण संकट को और बढ़ा दिया
- सर्दी का मौसम ऐसा होता है जब तापमान गिरता है लेकिन प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है
- बर्फबारी भी हवा को शुद्ध करने में बारिश की तरह ही भूमिका निभाती है

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के ज्यादातर क्षेत्रों में सितंबर के बाद अब तक बारिश न होने के कारण वह प्राकृतिक तंत्र नष्ट हो गया है, जो आमतौर पर प्रदूषकों को फैलाकर दूर ले जाने और वायु गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करता है। बारिश की कमी ने दिल्ली सहित देश के कई शहरों में प्रदूषण संकट को और बढ़ा दिया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार जब बारिश होती है, तो बादल और बारिश मिलकर वायुमंडल से प्रदूषक तत्वों को साफ करते हैं। बारिश उन कणों को वापस धरती पर भेजती है और बादल उन्हें सोख लेते हैं। कुछ खतरनाक प्रदूषक जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड, सीसा, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, ओजोन, विभिन्न धातुओं से मिश्रित कण और और सल्फर डाइऑक्साइड हवा को विषाक्त और खतरनाक बनाते हैं। सर्दी का मौसम ऐसा होता है जब तापमान गिरता है लेकिन प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। चूंकि बारिश की बूंदें आकाश में गिरती हैं इसलिए यह धूल, पराग, सल्फर डाइऑक्साइड और अन्य कणों को पकड़कर हवा को शुद्ध करने में मदद करती है। इस प्रक्रिया को भी वेट डिपोजिशन के रूप में जाना जाता है। बारिश किसी भी सतह से प्रदूषकों को धो देती है।

बारिश कम होगी तो बर्फ भी कम गिरेगी

प्राकृतिक पैटर्न के मुताबिक अगर बारिश कम होगी तो बर्फबारी भी कम ही होगी। इसका व्यापक असर हिमालय से जुड़े देशों पर पड़ेगा क्योंकि यह पर्वतमाला एशिया की जल मीनार और मौसम नियामक का काम करती है। बर्फबारी भी हवा को शुद्ध करने में बारिश की तरह ही भूमिका निभाती है। यह विभिन्न प्रदूषकों को पकड़ती है और भूमि पर लाती है। बर्फबारी ओजोन निर्माण को कम करती है और हवा की सेहत सुधार में मदद करती है। नासा गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के अनुसार एशिया में कम हवा की गति और स्थिर मौसम भी प्रदूषण को सतह के पास जमा होने दे रहा है और खराब वायु गुणवत्ता का कारण बन रहा है। वायुमंडलीय परिस्थितियां जैसे हवा का दबाव, तापमान और आर्द्रता वायु की गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं।

दिसंबर के अंत तक रहेगा वर्षा का अभाव

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार सर्दियों के मौसम में हिमालयी राज्यों में होने वाली वर्षा धीरे-धीरे पूरे पश्चिमोत्तर भारत में पहुंचती है। लेकिन इस दौरान हिमाचल प्रदेश में सामान्य से 98% कम और जम्मू-कश्मीर में सामान्य से 68% कम बारिश दर्ज की गई। हिमालच में पिछले 123 वर्षों में तीसरा सबसे सूखा अक्तूबर महीना गुजरा, जिसमें 97% कम बारिश हुई। नवीनतम पूर्वानुमान के अनुसार दिसंबर 2024 के शेष दिनों के दौरान उत्तरी और उत्तर पश्चिमी भारत के अधिकांश हिस्सों के साथ पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में औसत से कम बारिश होने की उम्मीद है।

क्षेत्र परमिट प्राप्त करना होगा

मणिपुर में प्रोटेक्टेड एरिया परमिट फिर लागू

इंफाल। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मणिपुर में सुरक्षा कारणों से संरक्षित क्षेत्र परमिट (पीएपी) फिर से लागू कर दिया है। इस संबंध में राज्य सरकार सरकार ने एक बयान जारी किया है। बयान में कहा गया, पीएपी लागू होने के बाद राज्य में आने वाले विदेशी नागरिकों की गतिविधियों की बारीकी से निगरानी की जाएगी। उन्हें विदेश (संरक्षित क्षेत्र) आदेश, 1958 के अनुसार आवश्यक क्षेत्र परमिट प्राप्त करना होगा। गृह मंत्रालय ने मणिपुर के साथ-साथ नगालैंड और मिजोरम में भी पीएपी को दोबारा लागू किया है। इसके साथ ही राज्य सरकार ने एक संगठन की ओर से दी गई धमकी का भी संज्ञान लिया है। संगठन ने मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को चेतावनी दी थी कि वह कंगपोकपी जिले से होकर सेनापाती जिला न जाएं। यह संगठन मुख्यमंत्री को वहां सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होने से रोकने की कोशिश कर रहा था।

संपादकीय

आंबेडकर पर घिरी भाजपा

भारतीय संविधान के 75 साल पूरे होने पर संसद जश्न मना रही है। इसके बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की एक टिप्पणी से न सिर्फ अमित शाह, बल्कि भाजपा भी घिर गई है। अब अमित शाह कह रहे हैं कि उनके बयान को तरोड़ मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। शाह ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा था, अभी एक फैशन हो गया है-आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। शाह की इस टिप्पणी पर विपक्ष ने भाजपा को घेर लिया और उनसे माफी मांगने की बात की जा रही है। भाजपा इस पर सफाई पे सफाई दे रही है, लेकिन अमित शाह ने जो सेल्फ गोल किया है, उसका नुकसान भाजपा को राजनीतिक रूप से उठाना पड़ सकता है। मामला इतना गंभीर हो चला है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी अमित शाह के समर्थन में आना पड़ा। खुद अमित शाह को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई देनी पड़ी है। भाजपा में जिस तरह की बौखलाहट है उससे लग रहा है कि भाजपा इस मामले में बैकफुट पर नजर आ रही है। अमित शाह ने विपक्ष को एक मुद्दा दे दिया है और इस मामले में पूरा विपक्ष एक होकर भाजपा से सवाल कर रहा है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी तो इस मुद्दे को लेकर सड़क पर उतर गईं। विपक्षी दल 'बाबा साहेब का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान' के नारे को बुलंद करने में जुट गए हैं। दिल्ली चुनाव से पहले बाबा साहेब आंबेडकर पर अमित शाह की टिप्पणी भाजपा को भारी पड़ सकती है। आप ने इस मुद्दे को चुनाव मे उठाने का फैसला कर लिया है। अगर आम आदमी पार्टी अंबेडकर के मुद्दे को दिल्ली चुनाव में भुनाने में सफल रही तो भाजपा के लिए मुश्किल हो सकती है। देश का दलित वर्ग बाबा साहेब आंबेडकर को अपना भगवान सरीखा मानता है। यह वर्ग लोकसभा चुनाव के वक्त संविधान के मुद्दे पर इमोशनल हो गया था। अब अगर संविधान निर्माता अंबेडकर के बारे में गलत शब्द बोले जाएंगे तो दलितों का उद्वेलित होना स्वाभाविक है। दुर्भाग्य से देश का एक बड़ा वर्ग भले ही राजनीतिक कारणों से बाबा साहेब का नाम लेता हो, लेकिन वह उन्हें पसंद नहीं करता। क्या अमित शाह की जबान पर वही आया है, जो वे आंबेडकर के बारे में सोचते हैं? बहुत लोग तो आंबेडकर को मात्र संविधान सभा का अध्यक्ष बताकर कहते हैं कि वे संविधान निर्माता नहीं हैं।

दलित वर्ग संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर को अपना भगवान सरीखा मानता है। आंबेडकर के बारे में गलत शब्द बोले जाएंगे तो दलितों का उद्वेलित होना स्वाभाविक है।

पाठकवाणी

सेमीकंडक्टर में उठे महत्वपूर्ण कदम

भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है इस पहल में सरकार को टाटा ग्रूप और ताइवान की ताइवान सेमी कन्डक्टर मैन्यफैक्ररिंग कंपनी का सहयोग प्राप्त हुआ है। आज पूरे विश्व में सर्वाधिक सेमीकन्डक्टर का उत्पादन ताइवान जैसे छोटे से देश में होना और चीन का ताइवान पर प्रभुत्व जमाना इसी का परिणाम है। आज विश्व की दो महान शक्तियां - चीन और अमेरिका एक-दूसरे से इस माइक्रोचिप के क्षेत्र में भी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और इसी के अंतर्गत अमेरिका ने चीन की प्रौद्योगिकीय एवं सैन्य महत्वाकांक्षाओ पर अंकुश लगाने के लिए उसके उन्नत कंप्युटर चिप्स की बिक्री पर आए दिन प्रतिबंध लगाता रहा है, जिसके दोनों के बीच तनातनी रहती है। ऐसे में अगर हम भारत की बात करें तो भारत सभी तरह के चिप्स का आयात करता है और वर्ष 2025 तक इस बाजार के 24 बिलियन डॉलर से बढ़कर 100 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि सेमी कन्डक्टर चिप्स के घरेलू निर्माण के लिए भारत ने भी कुछ पहले शुरू की हैं और इसी के अंतर्गत सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक घटकों एवं अर्ध चालकों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना शुरू की है। हमारे पास छोटी से लेकर बड़ी चीज इन सब में इस माइक्रो चिप्स का इस्तेमाल होता है। ऐसे में सेमी कन्डक्टर की दिशा में यह प्रयास एक नई दिशा देगा।

-मंगल सिंह, लखनऊ

कुछ खास

जब मुझे गोली लगी थी तब बड़ी-बड़ी पार्टी के नेता हिम्मत नहीं जुटा पाए मेरे घर आने के लिए, पर आजम खान के परिवार वाले मुझसे मिलने आए थे! आजम खान साहब की तबियत सही नहीं है और सरकार उन्हें अच्छे इलाज की सुविधा भी नहीं दे रही है।

-चंद्रशेखर आजाद रावण, सांसद

आज का ट्वीट

''तुलसीराम और सोहराबुद्दीन फजी एनकाउंटर केस में कांग्रेस सरकार अगर सीबीआई से ठीक से जांच करवा लेती तो आज ये दिन देखना नहीं पड़ता। ढिलाई आज भारी पड़ रही है।''

-कुणाल शुक्ला

साइबरवर्ल्ड

आंबेडकर का अपमान न करें

आंबेडकर के प्रति इनकी नफरत पहले मंचों पर सामने आती थी और भरी संसद में सभी के सामने आ रही है। वह यह कहते हुए निकल जाते हैं कि आंबेडकर...आंबेडकर चिल्लाने से ज्यादा अगर भगवान का नाम ले लिए होते तो स्वर्ग मिल जाता है। अमित शाह जी यह आंबेडकर की बदौलत है कि आप आज संसद में बोल रहे हैं, आपने संविधान की शपथ ली, कोई भगवान का दिया हुआ आशीर्वाद नहीं है। यह इस देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था है, जहां वोट डाले जाते हैं और उसमें जनता अपने मतों का प्रयोग करके प्रतिनिधि चुनती है। यहां प्रतिनिधि आशीर्वाद और दुआओं से नहीं चुने जाते। और ये सब हमारे संविधान के अनुसार होता है वो संविधान जो बाबा साहेब ने दिया। उसी संविधान की रक्षा के लिए अगर हम आंबेडकर...आंबेडकर कह रहे हैं तो वो आपको चिल्लाना नजर आता है। यह अपमान है जनसमुदाय का जो आज बाबा साहेब की बदौलत पढ़-लिख पा रहे हैं, यह अपमान उन लोगों का भी है जो आज बाबा साहेब का नाम लेकर अपने हक और अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। आपने उस अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का भी अपमान किया है। वह इंसान बाबा साहेब को अपना सब कुछ मानता है, क्योंकि उसको सम्मान और हक देने वाले अंबेडकर ही हैं। उसे अधिकार देने वाले अंबेडकर ही हैं। आपने और आपकी विचारधारा ने सदियों से जो अत्याचार किया, आपको बाबा साहेब के नाम से दर्द होना लाजमी है। आपको भूलना नहीं चाहिए कि आप चंद दिनों के लिए संसद में हो लेकिन बाबा साहेब का नाम हमेशा रहेगा, लोग आयेंगे जाएँगे, सत्ता रहेगी- नहीं रहेगी, लेकिन बाबा साहेब का नाम सुनहरे अक्षरों में हमेशा रहेगा। और गर्व से आंबेडकर कहा जाएगा। दुनिया की कोई भी ताकत इस नाम को लेने से नहीं रोक सकती। इस देश के हर एक नागरिक को इस अमर्यादित भाषा का विरोध करना चाहिए।

-कुमार वीरेंद्र की फेसबुक वॉल से

समय पर न्याय की जरूरत

सामयिक

शाहीन सबा

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंडीगढ़ में तीनों नए कानून देश को समर्पित करते हुए कहा कि आजादी के सात दशकों में न्याय व्यवस्था में अब बड़ा बदलाव आ गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस अब किसी को अपनी मर्जी से हिरासत में नहीं ले सकेगी। परिवार को पहले सूचित करना होगा। नए कानूनों में नागरिक अधिकारों को सुरक्षित रखा गया है। ऐसे समय में जब देश विकसित भारत का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है तब संविधान की भावना से प्रेरित भारतीय न्याय संहिता के प्रभाव का आरंभ होना बहुत अहम है। इसलिए अब समय पर न्याय, न्यायिक व्यवस्था की पहचान होनी चाहिए। ध्यातव्य है कि भारतीय न्याय संहिता का मूल मंत्र सिटिजन फर्स्ट है। ये कानून नागरिक अधिकारों के रक्षक बन रहे हैं। मालूम हो कि पहले एफआईआर करवाना कितना मुश्किल होता था लेकिन अब जीरो एफआईआर को भी कानूनी रूप दे दिया गया है। फिलहाल देश के नागरिकों के लिए हमारे संविधान ने जिन आदर्शों की कल्पना की थी, उन्हें पूरा करने की दिशा में ये सब ठोस प्रयास हैं।

चंडीगढ़ अब देश का पहला केंद्र शासित प्रदेश बन गया है जिसने इन नए कानूनों को सौ प्रतिशत लागू किया है और यह न्याय प्रणाली में बदलाव का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। लेकिन चिंता की बात यह है कि देश की सभी अदालतों में मौजूदा वक्त में करीब पांच करोड़ केस लंबित हैं। इन केसों की निपटाने की रफ्तार इतनी धीमी है कि इन्हें पूरी तरह से निपटाने में ही बरसों लग जाएंगे। 2018 में नीति आयोग ने कहा था कि अगर नए केस को छोड़ दें तो भी इन केस को निपटाने में 324 साल लग जाएंगे। अब तीनों आपराधिक कानूनों पर अमल से एक ओर जहां साठ दिन के अंदर आरोप तय किए जाएंगे, वहीं दूसरी ओर सुनवाई पूरी होने के पैंतालीस दिन के अंदर फैसला सुनाना आवश्यक होगा। यह शुभ संकेत है कि तीनों आपराधिक कानूनों पर अमल के बाद से कई मामलों में सचमुच समय पर न्याय हुआ है, जैसे कि चंडीगढ़ में वाहन चोरी में मामला दर्ज होने के पचहत्तर दिन के अंदर अदालत ने सजा सुना दी। इसी तरह अशांति फैलाने के एक मामले में बीस दिन में सुनवाई करके सजा सुना दी गई। दिल्ली में भी एक मामले में एफआइआर दर्ज होने के साठ दिन के अंदर फैसला आ गया। ऐसा देश भर में सभी मामलों में होना चाहिए। इसी के साथ यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि निचली अदालतों के जिन फैसलों को ऊंची अदालतों में चुनौती दी जाए, वहां भी उनका निस्तारण तत्काल हो।

न्याय के लिए एक पीड़ित की लड़ाई इन विशेष अदालतों में आरोपी को सजा सुनाए जाने के साथ ही खत्म नहीं हो जाती बल्कि यह तब तक जारी रहती है जब तक की ऊपरी अदालतों में लंबित अपीलों का निपटारा न हो जाए। यह बेहद जरूरी है कि शीघ्रता से न्याय सुनिश्चित करने के लिए मुकदमों और अपीलों के निपटारे के लिए एक समय सीमा तय की जाए।

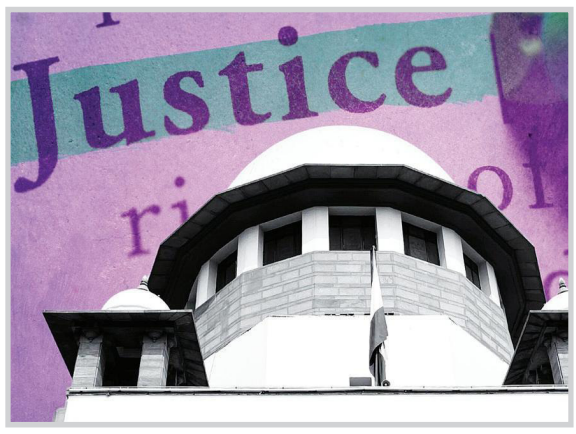

भारत में न्याय देने में देरी का एक बहुत बड़ा कारण न्यायाधीशों की संख्या में कमी का होना है। पांच उच्च न्यायालयों जिनमें से इलाहाबाद, पंजाब और हरियाणा, गुजरात, बॉम्बे और कलकत्ता में लगभग 171 रिक्तियां हैं। यह पच्चीस उच्च न्यायालयों में कुल 327 पदों की रिक्तियों का 52 प्रतिशत से अधिक है। सभी उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 1,114 है और 29.4 प्रतिशत पद रिक्त हैं। उच्च न्यायालयों में लगभग 62 लाख मामले लंबित हैं। न्यायालयों की इन रिक्तियों के अनेक कारण हैं क्योंकि न्यायाधीशों की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 217 द्वारा होती है। न्यायाधीशों के चयन में इस्तेमाल की जाने वाली प्रणाली समय लेने वाली है। कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच नामों और अन्य कारकों को लेकर राजनीतिक खींचतान भी चलती रहती है। भारतीय न्यायाधीशों को विकसित देशों के उनके समकक्षों की तुलना में बहुत कम वेतन मिलता है। इसलिए बहुत से लोग न्यायाधीश बनने के इच्छुक भी नहीं होते हैं। अच्छे सार्वजनिक प्रशासन को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत कानूनी व्यवस्था महत्वपूर्ण है। इसलिए, इस संकट से निपटने के लिए अधिक न्यायाधीशों की नियुक्ति, न्यायालयीन सुविधाओं के आधुनिकीकरण और प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण के लिए पर्याप्त धनराशि में वृद्धि को प्राथमिकता दी जानी चाहिए जिससे त्वरित न्याय वास्तविक रूप से जमीन पर दिखाई देना चाहिए क्योंकि न्याय होना ही नहीं, न्याय दिखना भी चाहिए। तभी वह वास्तविक न्याय होगा।

त्वरित न्याय के लिए जरूरी है कि देश में अधिक से अधिक त्वरित अदालतों का गठन किया जाए। बहरहाल सभी लंबित मामलों के निपटारे के लिए अभी करीब एक हजार विशेष त्वरित अदालतों के गठन से पीड़ितों के लिए न्याय के अधिकार को सुनिश्चित किया जा सकता हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अगर लंबित मामलों में एक भी नया मामला नहीं जोड़ा जाए तो भी विशेष त्वरित अदालतों में बलात्कार व पॉक्सो के 2,02,175 मामलों के निपटारे में अनुमानित तीन साल का समय लगेगा। आज की तारीख में देश की 1,023 विशेष त्वरित अदालतों में सिर्फ 755 अदालतों में ही कामकाज हो रहा है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने आपराधिक कानून (संशोधन) विधेयक, 2018 में प्रस्तावित सख्त समय सीमा और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए बलात्कार व पॉक्सो मामलों के तेजी से निपटारे के लिए अगस्त 2019 में स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट्स यानी विशेष त्वरित अदालतों के गठन को मंजूरी दी थी। न्याय तंत्र मजबूत हो इसके लिए मौजूदा विशेष अदालतों में कामकाज सुचारु रूप से जारी रखने और नई विशेष अदालतों के गठन के लिए निर्भया फंड की अप्रयुक्त राशि का भी उपयोग किया जा सकता है।

सर्व विदित है कि न्याय के लिए एक पीड़ित की लड़ाई इन विशेष अदालतों में आरोपी को सजा सुनाए जाने के साथ ही खत्म नहीं हो जाती बल्कि यह तब तक जारी रहती है जब तक की ऊपरी अदालतों में लंबित अपीलों का निपटारा न हो जाए। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि शीघ्रता से न्याय सुनिश्चित करने के लिए मुकदमों और अपीलों के निपटारे के लिए एक समय सीमा तय की जाए। इस बाबत हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में दायर अपीलों के निपटारे की समय सीमा तय करने के लिए एक नीतिगत रूपरेखा की आवश्यकता है जिसको कठोरता से पालन करने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। तब जाके न्यायपालिका पर लंबित मुकदमों का दबाव कम हो सकेगा।

न्यायपालिका में महिला भागीदारी की कमी एक बड़ी समस्या है। इस तथ्य को स्वीकार किया जाना चाहिए कि महिलाओं को सफलता के लिए एक लंबा रास्ता तय करना पड़ता है, जो अक्सर बच्चे के जन्म और उसकी देखभाल से बाधित होता है। इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें न्यायिक जिम्मेदारी उठाने की इच्छा नहीं है। संस्थाओं को यह देखने और समझने की जरूरत है कि उन्हें पदाधिकारी बनाने के लिए क्या किया जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के समय से अब तक केवल ग्यारह महिला न्यायाधीश रही हैं तथा कोई भी महिला मुख्य न्यायाधीश नहीं बनी हैं। उच्च न्यायालयों में 680 न्यायाधीशों में से मात्र 83 महिलाएं हैं। अधीनस्थ न्यायाधीशों में केवल तीस फीसदी महिलाएं हैं। उच्च न्यायपालिका में महिला न्यायाधीशों के रूप में महिला सदस्यों के एक निश्चित प्रतिशत के साथ लैंगिक विविधता को बनाए रखने और बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

अमृतवाणी

प्रगति और गरूर

एक प्रसिद्ध मूर्तिकार अपने पुत्र को मूर्ति बनाने की कला में दक्ष करना चाहता था। उसका पुत्र भी लगन और मेहनत से कुछ समय बाद बेहद खूबसूरत मूर्तियां बनाने लगा। उसकी आकर्षक मूर्तियों से लोग भी प्रभावित होने लगे। लेकिन उसका पिता उसकी बनाई मूर्तियों में कोई न कोई कमी बता देता था। उसने और कठिन अभ्यास से मूर्तियां बनानी जारी रखीं। ताकि अपने पिता की प्रशंसा पा सके। शीघ्र ही उसकी कला में और निखार आया। फिर भी उसके पिता ने किसी भी मूर्ति के बारे में प्रशंसा नहीं की। निराश युवक ने एक दिन अपनी बनाई एक आकर्षक मूर्ति अपने एक कलाकार मित्र के द्वारा अपने पिता के पास भिजवाई और अपने पिता की प्रतिक्रिया जानने के लिये स्वयं ओट में छिप गया। पिता ने उस मूर्ति को देखकर कला की भूरि भूरि प्रशंसा की और बनानेवाले मूर्तिकार को महान कलाकार भी घोषित किया। पिता के मुंह से प्रशंसा सुन छिपा पुत्र बाहर आया और गर्व से बोला-पिताजी वह मूर्तिकार मैं ही हूं। यह मूर्ति मेरी ही बनाई हुई है। इसमें आपने कोई कमी नहीं निकाली। आखिर आज आपको मानना ही पड़ा कि मैं एक महान कलाकार हूं। पुत्र की बात पर पिता बोला, बेटा एक बात हमेशा याद रखना कि अभिमान व्यक्ति की प्रगति के सारे दरवाजे बंद कर देता है। आज तक मैंने तुम्हारी प्रशंसा नहीं की। इसी से तुम अपनी कला में निखार लाते रहे अगर आज यह नाटक तुमने अपनी प्रशंसा के लिये ही रचा है तो इससे तुम्हारी ही प्रगति में बाधा आएगी। और अभिमान के कारण तुम आगे नहीं पढ़ पाओगे। पिता की बातें सुन पुत्र को गलती का अहसास हुआ। और पिता से क्षमा माँगकर अपनी कला को और अधिक निखारने का संकल्प लिया।

तीखी नजर

दूसरे टाइप के लेखकों के बीच मैं

पूरन सरमा

वे मेरे जैसे लेखक नहीं थे, वे दूसरे टाइप के लेखक थे। मेरा काम लिखना और छपवाना था, उनका इससे दूर-दूर तक का नाता न था। दरअस्ल वे लेखक टाइप बुद्धिजीवी थे, जो गोष्ठियों में गहन विमर्श उनकी अध्यक्षता और कहीं व्याख्यान देते पाये जाते थे। मुझसे यह सब नहीं हो पाता था। कहीं कोई विचार मंत्रणा होनी होती तो उन्हें बुलाया जाता। कला केंद्रों में भी उन्हीं की दरकार थी। लिखना और फिर उसे छपवाना वे इसे हल्की बात मानते थे। उनके कहे आप्त वचन छपते थे समाचार-पत्रों में। उनका कोई सम्मेलन होता और उनकी सूची छपती तो मैं उन नामों को पहचान नहीं पाता। यह दिवालियापन मेरा था, इसमें उनकी तनिक भी गलती नहीं थी। सुना था उन्होंने कभी लिखा था, और इतना प्रभावी लिखा थ कि उनका नाम हो गया और वे देश के बौद्धिक वर्ग की शिरकत करने में आगे आ गये थे। मैंने लाख कोशिश की कि मैं उन जैसा दूसरे टाइप का लेखक बन जाऊं, लेकिन एक तो लिखने की आदत नहीं छूट रही थी, दूसरा लोग उन जैसी पहचान मुझे दे भी नहीं पा रहे थे। सत्य तो यही है कि मैं दूसरे टाइप का लेखक बनना चाहता था, परन्तु शायद यह मेरे भाग्य में नहीं है।

बात-बात में हंसना, सहज रहना, मजाक बाजी करना, ये मेरे कुटेव थे-जो मुझे दूसरे टाइप का लेखक नहीं बनने दे रहे थे। उनकी तरह रहना मेरे बस की बात नहीं थी। वे जो बोलते थे, मेरी समझ से परे था। सदैव गंभीर मुद्रा में आसमान को ताकना, चेहरे पर तनिक हास्य क्या आ जाए और नया तुला बोलकर सबको हतप्रभ कर देना, उनकी अपनी फितरत और अंदाज था। खूब लिखने-छपने के बाद भी वे मुझे नहीं जानते थे। पहली बात तो उन तक पहुंचना आसान नहीं था, फिर भी कभी कोई उनसे मिलवाता तो वे चालाकी से मुझे नजरअंदाज कर जाते और मैं मन मसोसकर रह जाता। वे दूसरे टाइप के लेखक थे, मुझे इतना तो पता चल गया था-उनमें से कुछ अंग्रेजी की दुनिया के थे, कुछ विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर थे, कुछ फिल्मी दुनिया के थे और कुछ अन्य भारतीय भाषाओं के घुटे हुए थे। कुछेक बड़े पदों पर आसीन थे तो कुछेक बड़े पदों से सेवानिवृत होकर इस दूसरे टाइप के लेखक बन गए थे।

दूसरे टाइप के लेखकों का रहन-सहन और पहन-पहनावा यानि उनकी जीवन शैली भी मुझसे काफी भिन्न थी। वे खाते भी थे, पीते थे और आचरण से भी शुद्ध नहीं होने के बावजूद अपना कदम और कद अहम बनाए हुए थे। कपड़े भी एकदम पाश्चात्य सभ्यता के, मुड़े-तुड़े और महंगे। इनके साथ इन्हीं की तरह की कुछ महिला लेखिकायें भी थीं। ये सब महानगरों से ताल्लुक रखते थे। मेरे गांव के घासियारे नहीं थे। चेहरे पर शालीनता और कुलीनता दोनों एक साथ देखी जा सकती थी। बस मैं इसी टाइप का बनना चाहता था, लेकिन अफसोस असीम प्रयासों के बावजूद मैं अपना मूल 'टाइप' नहीं बदल सका। दूसरे टाइप के लेखक मुझे लुभाते थे, खींचते थे और आकर्षक लगते थे। दूसरे टाइप के लेखक कितने अलग होते हैं, अक्सर मैं सोचा करता हूं।

शहादत दिवस

गद्दारों के हाथों शिकार हुए बिस्मिल-अशफाक

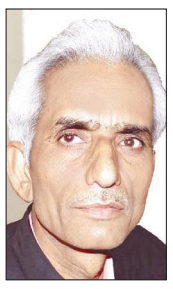

कृष्ण प्रताप सिंह

काकोरी ट्रेन ऐक्शन के डेढ़ महीने बाद 26 सितम्बर, 1925 की रात गोरी पुलिस समूचे उत्तर भारत में संदिग्धों के ठिकानों पर छापे मारती करती अशफाक के घर पहुंची तो उन्होंने खुद को घर से थोड़ी दूर स्थित एक गन्ने के खेत में छिपाकर उसकी निगाहों से बचा लिया।

आज ऐतिहासिक काकोरी ट्रेन ऐक्शन के तीन क्रांतिकारी नायकों रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्लाह खां और रोशन सिंह का साझा शहादत दिवस है-उनकी शहादतों की स्मृतियों को ताजा करने और उनसे प्रेरणा लेने का दिन।

उनके इस ऐक्शन को अपने साम्राज्य के लिए सीधी चुनौती मानकर देश के तत्कालीन ब्रिटिश शासकों ने 1927 में 19 दिसम्बर को यानी आज के ही दिन बिस्मिल को उत्तर प्रदेश की गोरखपुर, अशफाक को फैजाबाद (अब अयोध्या) और रोशन सिंह को मलाका (तत्कालीन इलाहाबाद, अब प्रयागराज) की जेलों में फांसी पर लटकाकर शहीद कर डाला था जबकि ऐक्शन के एक और नायक राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी की सांसें गोंडा जेल में दो दिन पहले 17 दिसम्बर को ही छीन ली थीं।

सुविदित है कि हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़े इन क्रान्तिकारियों ने अपने कुछ और साथियों के साथ नौ अगस्त, 1925 को आठ डाउन सहारनपुर लखनऊ पैसेंजर ट्रेन में ले जाया जा रहा सरकारी खजाना काकोरी स्टेशन के पास लूट लिया था। क्योंकि उनका मानना था कि गोरी सरकार ने यह खजाना देशवासियों के चौतरफा शोषण और खुल्लमखुल्ला लूट से इकट्ठा किया है और इसे लूटकर देश की मुक्ति के प्रयत्नों में खर्च करना ही उसका सबसे सार्थक उपयोग है।

शहादत के वक्त, जैसी कि परम्परा है, गोरखपुर जेल में अफसरों द्वारा बिस्मिल से उनकी अंतिम इच्छा पूछी गई तो उनका दो टूक जवाब था : 'आई विश द डाउनफॉल आफ ब्रिटिश एम्पायर' यानी मैं ब्रिटिश साम्राज्य का नाश देखना चाहता हूं। शहादत से कुछ ही दिनों पहले उन्होंने उम्मीद भरी पंक्तियां लिखी थीं : मरते बिस्मिल, रोशन, लहरी, अशफाक अत्याचार से / होंगे पैदा सैकड़ों उनके रुधिर की धार से।

इसी कड़ी में फैजाबाद (अब अयोध्या) की जेल में अशफाकउल्लाह खां ने (बिस्मिल से जिनकी वैचारिक एकता व दोस्ती को हिंदू मुस्लिम सद्भाव की अद्भुत मिसाल बताया जाता है) कहा था कि उनकी अंतिम इच्छा यह है कि जब उन्हें फांसी पर लटकाया जाए तो उनके वकील फांसी घर के सामने खड़े होकर देखें कि वे कितनी खुशी और हसरत से उसके फंदे पर झूल रहे हैं। बिस्मिल और अशफाक में एक और समान बात यह थी कि दोनों शायर थे और गजलें कहते थे। बिस्मिल ने तो अनेक किताबें भी लिखी थीं। इनमें ग्यारह उन्होंने खुद छपवाईं और उनकी बिक्री से एकत्र धन से क्रांति कर्म के लिए हथियार खरीदे थे। गोरी सरकार को यह बात नागवार गुजरी तो उसने ये सारी किताबें जब्त कर ली थीं। उनकी आत्मकथा, जिसे वे अपनी शहादत से कुछ दिन पहले तक लिखते रहे थे, बाद में प्रकाशित हुई थी। अशफाक की बात करें तो वे बिस्मिल की गिरफ्तारी के बाद भी अरसे तक गोरी पुलिस के शिकंजे से बचे रहे थे और बचे रहने के लिए कभी नेपाल, कभी कानपुर तो कभी बनारस भागते फिर रहे थे। बनारस से छिपते-छिपाते वे झारखंड स्थित मेदिनीनगर (तब डाल्टनगंज) पहुंचे तो अपनी पहचान छुपाकर वहां दस महीने रहे थे।

दरअसल, हुआ यह कि काकोरी ट्रेन ऐक्शन के डेढ़ महीने बाद 26 सितम्बर, 1925 की रात गोरी पुलिस समूचे उत्तर भारत में संदिग्धों के घरों व ठिकानों पर अभियान के तौर पर छापे मारती व धर-पकड़ करती अशफाक के शाहजहांपुर स्थित घर पहुंची तो उन्होंने खुद को घर से थोड़ी दूर स्थित एक गन्ने के खेत में छिपाकर उसकी निगाहों से बचा लिया। हालांकि इससे पहले उनके दोस्त रामप्रसाद बिस्मिल मुखबिरों व गद्दारों के चलते पुलिस के हत्थे चढ़ चुके थे और उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जा चुका था। इसके बाद यह बात कोई रहस्य नहीं रह गयी थी कि अशफाक घर पर ही बने रहे तो बहुत दिनों तक खैर नहीं मना सकेंगे। पुलिस दोबारा-तिबारा दबिश देगी और जब तक उनको धर नहीं दबोचेगी, चैन नहीं लेगी। इसलिए वे पहले तो अपने घर से गुपचुप नेपाल चले गए और कुछ दिनों बाद लौटे तो भी घर जाने के बजाय कानपुर में 'प्रताप' के संपादक गणेशशंकर विद्यार्थी के यहां शरण ले ली।

इससे पहले पंजाब के क्रांतिकारी लाला केदारनाथ सहगल के देश से बाहर शरण दिलाने के प्रस्ताव को अशफाक ने यह कहकर ठुकरा दिया था कि 'मैं देश से भागना नहीं, बल्कि देशवासियों के साथ रहकर आजादी के लिए लड़ना चाहता हूं।' लेकिन डाल्टनगंज में उनका राज बहुत दिन राज नहीं रह सका। क्योंकि वे वहां भी गुप्त रूप से क्रांतिकारियों को संगठित करने में भी लगे रहते थे। बताते हैं कि उस समय पलामू क्रांतिकारियों का गढ़ हुआ करता था। दस ही महीने बीते थे कि उनका भेद खुल गया और फिर लड़ने के संकल्प के साथ वे दोबारा विद्यार्थी जी के पास कानपुर आ धमके। विद्यार्थी जी ने पुलिस से दूर रखने के लिए उन्हें भोपाल भेज दिया, लेकिन वहां टिकने के बजाय वे दिल्ली चले गए और अपने जिले शाहजहांपुर के एक पुराने दोस्त के घर पर रहने लगे, जहां उसके विश्वासघात के शिकार हो गए। इस दोस्त ने उनकी गिरफ्तारी के लिए घोषित इनाम के लालच में धोखे से उन्हें पकड़वा दिया, जिसके बाद काकोरी ऐक्शन में शामिल होने को लेकर उन पर पूरक मुकदमा चलाया गया (उनके पहले गिरफ्तार साथियों पर अलग से मुकदमा चल रहा था।) और फांसी की सजा सुना दी गई।

हां, यह बताये बगैर बात अधूरी रह जाएगी कि इलाहाबाद (अब प्रयागराज) की मलाका जेल में शहीद किए गए रोशन सिंह को जिन्दादिली के बगैर जिंदगी ही बेकार लगती थी। उन्होंने कहा था :

जिन्दगी जिंदादिली को मान ऐ रोशन/ वरना कितने ही यहां रोज फना होते हैं।

सार संक्षेप

सलमान खान बने खो-खो विश्वकप के ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली : खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने बुधवार को भारतीय सुपरस्टार सलमान खान को खो-खो विश्वकप के पहले संस्करण का ब्रांड एंबेसडर बनाने जाने की घोषणा की। यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय खिलाड़ी प्रशिक्षण शिविर में मीडिया के साथ बातचीत के दौरान केकेएफआई ने यह घोषणा की। कार्यक्रम में केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल, महासचिव एमएस त्यागी के साथ-साथ भारतीय पुरुष और महिला खिलाड़ी और कोच शामिल हुए। सलमान ने पहले खो-खो विश्वकप के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाये जाने पर खुशी व्यक्त करते हुए एक संदेश में कहा कि मुझे पहली बार आयोजित होने वाले खो-खो विश्व कप 2025 से जुड़ने पर गर्व है। यह केवल एक टूर्नामेंट नहीं है। यह भारत की मिट्टी, भावना और ताकत को श्रद्धांजलि है। हम सभी ने, जिनमें मैं भी शामिल हूं, अपने जीवन में कभी न कभी खो-खो खेला है। 13 से 19 जनवरी तक होने वाले खो-खो विश्वकप में 24 देशें की 21 पुरुष और 20 महिला टीम हिस्सा लेंगी। केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने सलमान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति विश्वकप में और अधिक लोगों का ध्यान आकर्षित करेगी।

अखिल भारतीय सिविल सेवा बैडमिंटन टूर्नामेंट तीन जनवरी से

चंडीगढ़ : अखिल भारतीय सिविल सेवा बैडमिंटन टूर्नामेंट 2024-25 का आयोजन तीन से आठ जनवरी 2025 तक नई दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में होगा। इस टूर्नामेंट में महिला और पुरुष वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह जानकारी देते हुए बुधवार को सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि क्रिकेट, बास्केटबॉल, कबड्डी और टेबल टेनिस जैसी अन्य खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि क्रिकेट टूर्नामेंट तीन से 10 जनवरी तक भारत नगर क्रिकेट ग्राउंड, अशोक विहार, विकासपूरी क्रिकेट ग्राउंड, जी-ब्लॉक के पीछे सोनिया पीवीआर, नई दिल्ली, केंद्रीय सचिवालय क्रिकेट ग्राउंड, विनय मार्ग चाणक्यपुरी, एस.बी.वी शकूरपुर क्रिकेट ग्राउंड, ब्रिटानिया चौक दिल्ली में खेला जाएगा। उन्होंने बताया कि बास्केटबॉल मुकाबले तीन से आठ जनवरी तक लोक विहार आनंदवास, एफ यू ब्लॉक, पीतमपुरा और बाल भारती स्कूल पीतमपुरा में आयोजित होंगे। कबड्डी के मैच तीन से आठ जनवरी तक त्यागराज स्टेडियम में होंगे।

फ्यूचर स्टार्स लीग में ट्रांजिशन एफए को जीता दोहरा खिताब

नई दिल्ली : एचसीएल दिल्ली फ्यूचर स्टार्स यूथ लीग में अंडर-15, 17 और 19 आयु वर्गों के खेले गए मुकाबलों में ट्रांजिशन एफए ने 15 एवं 17 साल तक के आयु वर्गों के खिताब जीते। दिल्ली सॉकर एसोसिएशन (डीएसए) द्वारा आयोजित लीग में ट्रांजिशन एफए के खिलाड़ियों ने शानदार खेल मुजाहिरा करते हुए 15 एवं 17 साल तक के आयु वर्गों के खिताब जीतने में सफल रहे। 19 साल वर्ग में दिल्ली इलीट एफसी विजेता रही, जबकि इंडिया यूनाइटेड एफए ने दूसरा स्थान पाया आयोजन समिति के अनुसार, अंडर-13 का फाइनल खेला जाना बाकी है, जिसमें 23 टीमों की भागीदारी रही है। सभी आयु वर्गकी विजेता और उपविजेता टीमें अगले सीजन के टायर 1 में भाग लेंगी। 15 साल वर्ग में 21 टीमों ने, 17 साल में 19 और 19 साल वर्ग में 23 टीमों ने भाग लिया। आयोजक डीएसए के अनुसार चार आयु वर्गों के आयोजनों में प्रतिभावान खिलाड़ी उभर कर सामने आए हैं, जिन्हें डीएसए ने चिन्हित किया है।

बीएफआई-सीपीएल ने प्रो इंटरनेशनल लीग शुरु करने की घोषणा की

नई दिल्ली : कैप्टन्स प्रोफेशनल बास्केटबॉल प्राइवेट लिमिटेड (सीपीबीएल) ने बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के साथ साझेदारी में बुधवार को प्रो इंटरनेशनल बास्केटबॉल लीग (आईएनबीएल प्रो अंडर-25) शुरु करने की घोषणा की। 15 जनवरी से शुरु होने वाली इस लीग में छह टीमें स्पर्धा करेंगी। इस चैंपियन लीग में हर दिन एक मैच खेला जायेगा और अबू धाबी में इसका फाइनल चार मैचों के साथ मार्च 2025 में इसका समापन होगा। प्रत्येक टीम में 25वर्ष से कम के 12 खिलाड़ी होंगे। जिसमें छह भारतीय और छह विदेशी खिलाड़ी होगे। चैंपियनशिप के लिये खिलाड़ियों की नीलामी नौ जनवरी होगी। इसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अन्य देशों से भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभाओं के लिए बोली लगायी जायेगी। इस अवसर पर भारतीय बास्केटबॉल महासंघ के अध्यक्ष आधव अर्जुन ने कहा कि आईएनबीएल प्रो अंडर-25 एक महत्वपूर्ण पहल है जो भारतीय बास्केटबॉल के मानकों को बेहतर बनायेगा। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञयों के साथ मिलकर स्थानीय प्रतिभा भारत में खेल के लिए एक नया मानदंड स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि हम इस ऐतिहासिक लीग में आईएनबीएल के साथ सहयोग करके खुश हैं। उन्होंने कहा कि पहली बार भारत में आईएनबीएल प्रो अंडर-25 शुरु होने जा रही इसका फायदा कॉलेज और युवा खिलाड़ियों को मिलेगा। भारतीय बास्केटबॉल महासंघ के महासचिव कुलविंदर सिंह गिल ने कहा कि यह लीग भारत की युवा प्रतिभाओं को सीखने, विकसित होने और पेशेवर स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने अवसर प्रदान करेगी। भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और कोचों का अनुभव प्राप्त होगा।

रेखा आर्य ने किया बास्केटबॉल कोर्ट का लोकार्पण

हरिद्वार : उत्तराखंड प्रदेश के खेल ढांचे में बुधवार को तब एक नया आयाम जुड़ गया जब हरिद्वार के रोशनाबाद में खेल मंत्री रेखा आर्या ने नए बास्केटबॉल कोर्ट का लोकार्पण किया। इस मौके पर खेल मंत्री रेखा आर्या ने तीन प्रशिक्षण शिविरों में शामिल खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट भी बांटी। सबसे पहले आर्या ने रोशनाबाद स्पोर्ट्स स्टेडियम में पूजन हवन करके नवनिर्मित बास्केटबॉल कोर्ट का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह बास्केटबॉल कोर्ट प्रदेश की खेल यात्रा में एक और मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि अन्य खेलों की तरह ही हरिद्वार जल्द बास्केटबॉल खिलाड़ियों की नर्सरी के रूप में भी नाम रोशन करेगा । आर्या ने कहा कि आगामी 28 जनवरी से शुरू हो रहे 38 वें नेशनल गेम्स में हरिद्वार हॉकी, कुश्ती और कबड्डी के रूप मे तीन इवेंट आयोजित कर रहा है और यह धर्मनगरी के लिए गौरव की बात है। बास्केटबॉल कोर्ट के लोकार्पण के बाद आर्या ने रोशनाबाद स्पोर्ट्स स्टेडियम में बन रहे नए 400 मीटर ट्रैक का निरीक्षण किया और इसके काम को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कहा। आर्या ने करीब डेढ़ घंटे का वक्त खिलाड़ियों से मिलने में बिताया। तीन खेल प्रशिक्षण शिविरों के एक-एक खिलाड़ी से मिलकर उन्होंने उनका हौसला बढ़ाया।

अश्विन के रिटायरमेंट पर कोहली का इमोशनल पोस्ट

● ब्रिसबेन,

भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया। 38 साल के अश्विन भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

उनके रिटायरमेंट लेते ही सोशल मीडिया पर रिएक्शन आने लगे। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने इमोशनल पोस्ट लिखा। वहीं, भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर ने लिखा, आपकी याद आएगी भाई। विराट कोहली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि मैं आपके (रविचंद्रन अश्विन) साथ 14 सालों तक खेला और जब आपने मुझे बताया कि संन्यास ले रहे हैं तो मैं थोड़ा भावुक हो गया। आपके साथ खेलने की सारी यादें सामने आ गईं। मैंने आपके साथ सफर के हर पल का आनंद लिया है। आपको हमेशा भारतीय क्रिकेट के एक दिग्गज के रूप में याद किया

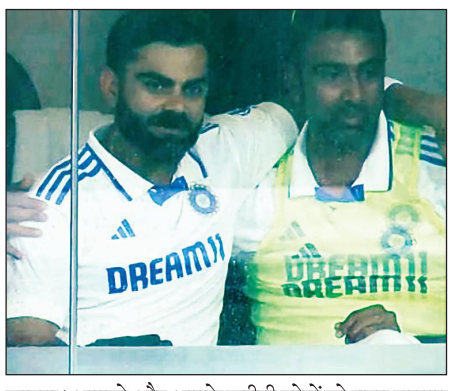

जाएगा। आपको और आपके करीबी लोगों को बहुत सम्मान और ढेर सारा प्यार। हर चीज के लिए शुक्रिया दोस्त। वहीं गंभीर ने एक्स पर पोस्ट कर उन्हें भविष्य की शुभकामनाएं

लिखा- हर चीज के लिए शुक्रिया दोस्त, गंभीर ने कहा- आपकी याद आएगी भाई

दीं। उन्होंने लिखा कि आपको एक युवा गेंदबाज से आधुनिक क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी के रूप में विकसित होते देखने का सौभाग्य कुछ ऐसा है, जिसे मैं कभी भूल नहीं पाऊंगा। मैं जानता हूं कि आने वाली पीढ़ियों के गेंदबाज कहेंगे कि मैं अश्विन की वजह से गेंदबाज बना! आपकी याद आएगी भाई! वहीं दिनेश कार्तिक ने लिखा कि शानदार करियर के लिए शाबाश। आपके साथ खेलने पर मुझे गर्व है। आप निश्चित रूप से तमिलनाडु की ओर से खेलने वाले सबसे महान खिलाड़ी हैं।' उधर, हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया पर अश्विन को लेकर लिखा कि अश्विन को शानदार क्रिकेट करियर के लिए बधाई। टेस्ट क्रिकेटर के तौर पर आपकी महत्वाकांक्षा सराहनीय थी। एक दशक से ज्यादा समय तक भारतीय स्पिन के ध्वजवाहक बने रहने के लिए बधाई। आपकी उपलब्धियों पर बहुत गर्व है और उम्मीद है कि अब आपसे अक्सर मुलाकात होगी। वहीं युवराज सिंह ने लिखा कि वेल प्लेड ऐश और शानदार सफर के लिए बधाई! दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को अपने जाल में फंसाने से लेकर मुश्किल हालात में डटे रहने तक, आप टीम के लिए एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। दूसरी तरफ आपका स्वागत है।

वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप ने भी अश्विन को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने लिखा, 'शुक्रिया रवि अश्विन। खुशी है कि आप आए और इतने लंबे समय तक इतनी उत्कृष्टता के साथ इंटरनेशनल खेल का हिस्सा रहे। आपने सिखाया, शिक्षित किया और मनोरंजन किया।

बारिश के कारण ड्रॉ हुआ तीसरा टेस्ट मैच

ट्रैविस हेड बने मैन ऑफ द मैच, पांच मैचों की सीरीज 1-1 से है बराबर

● ब्रिसबेन,

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गये तीसरे टेस्ट मैच को पांचवें दिन बुधवार को भारत की दूसरी पारी में शुरु हुई बारिश के कारण ड्रा घोषित कर दिया गया। ट्रैविस हेड को उनके शानदार खेल के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवजा गया। पांच मैचों की श्रृंखला में दोनों टीमें एक-एक मैच जीत कर बराबरी पर है।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी के आधार पर मिली 185 रनों की बढ़त के बाद दूसरी पारी सात विकेट पर 89 रन पर घोषित कर भारत को जीत के लिए 275 रनों का लक्ष्य दिया था। ऑस्ट्रेलिया के 275 रनों के लक्ष्य के जवाब में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 2.1 ओवर में बिना कोई विकेट खोए आठ रन बनाये थे कि तेज बारिश शुरु हो गई। चायकाल के समाप्त होने बावजूद हो रही हल्की बारिश के कारण अम्पायरों ने मैच को ड्रा घोषित कर दिया। यशस्वी जायसवाल (नाबाद चार) और के एल राहुल (नाबाद चार) रन क्रीज पर थे। भारत ने सुबह के सत्र में बुधवार को नौ विकेट पर 252 रनों से आगे खेलना शुरु किया। अभी टीम के स्कोर में आठ रन और जुड़े थे कि ट्रैविस हेड ने आकाश दीप को विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच आउट कराकर 260 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत कर दिया। आकाश दीप ने 44 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 31 रनों की पारी खेली। वहीं जसप्रीत बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के स्कोर के आधार पर

185 रनों की बढ़त मिली। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम तेजी से रन बनाने के प्रयास में लगातार अपने विकेट खोती रही। उस्मान ख्वाजा (08), मार्नस लाबुशेन (01) को बुमराह ने अपना शिकार बनाया। नेथन मैकस्वीनी (04), मिचेल मार्श (02) को आकाश दीप ने आउट किया। ट्रैविस हेड (17) और स्टीव स्मिथ (04) को मोहम्मद सिराज ने आउट किया। 18वें ओवर में बुमराह ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (22) को आउट कर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने 89 रन पर अपनी दूसरी पारी घोषित कर दी। भारत की ओर जसप्रीत बुमराह ने तीन, आकाश दीप और मोहम्मद सिराज ने दो-दो विकेट लिये। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाये थे।

रोहित अगर रन नहीं बनाते हैं तो कप्तानी छोड़ सकते हैं : गावस्कर

● ब्रिसबेन,

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने कहा कि मुझे लगता है कि आगामी मैचों में अगर कप्तान रोहित शर्मा की खराब फॉर्म जारी रही तो वह कप्तानी छोड़ देंगे।

बुधवार को यहां एक खेल चैनल से गावस्कर ने कहा कि मुझे लगता है कि रोहित को निश्चित रूप से अगले कुछ मैचों में खेलने का मौका मिलेगा, यह पक्का है। लेकिन सीरीज के अंत में अगर वह रन नहीं बना पाए तो मुझे ऐसा लग रहा है कि रोहित कुछ फैसला करेंगे। वह बहुत ही कर्तव्यनिष्ठ क्रिकेटर है, वह टीम पर बोझ नहीं बनना चाहेगा। उन्हें शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों द्वारा सामना किए जाने वाले दबावों की गहरी समझ है। उन्होंने कहा कि वह एक ऐसा क्रिकेटर है जो भारतीय क्रिकेट की बहुत परवाह करता है। इसलिए अगर वह अगले कुछ मैचों में रन नहीं बनाता है, तो मुझे लगता है कि वह खुद ही पद छोड़ देंगे। उल्लेखनीय है कि रोहित एडिलेड टेस्ट में भारतीय टीम से जुड़े। इस टेस्ट में उन्होंने 23 गेंदों पर तीन रन और

26 गेंदों पर नौ रन बनाकर आउट हुए। रोहित ने तीसरे टेस्ट में भी मध्यक्रम में ही उतरने का फैसला किया। तीसरे दिन बारिश के कारण रोहित को ज्यादा देर क्रीज पर समय बिताने का मौका नहीं मिला। चौथे दिन मंगलवार को रोहित 10 रन बनाकर आउट हुए थे। रोहित इस साल प्रदर्शन खराब रहा है और उन्होंने इस साल अब तक 24 पारियों में 26.39 के औसत से 607 रन बनाए हैं।

बांग्लादेश ने टी-20 में बनाई अजेय बढ़त

वेस्टइंडीज को दूसरे टी-20 में 27 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई

सेंट विंसेंट, वार्ता : शमीम हुसैन (नाबाद 35), मेहदी हसन मिराज (26) रनों की पारी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत बांग्लादेश ने दूसरे टी-20 मैच में वेंस्टइंडीज को 27 रनों से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने तीन टी-20 मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं।

बांग्लादेश के 129 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम बांग्लादेश के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 18.3 ओवर में 102 रनों पर ढेर हो गई। वेस्टइंडीज के लिए रॉस्टन चेज ने सर्वाधिक (32) रनों की पारी खेली। अकील हुसैन ने (31) और जॉनसन चार्ल्स ने (14) रन बनाये। वेस्टइंडीज के शेष आठ बल्लेबाज

दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बांग्लादेश के लिए तसकीन अहमद ने तीन विकेट लिये। महेदी हसन, तनजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन को दो-दो विकेट मिले। हसन महमूद ने एक बल्लेबाज को आउट किया। शमीम हुसैन को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने महज 11 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। कप्तान लिटन कुमार दास (03) और तंजिद हसन (02) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद सौम्य सरकार भी (11) रन आउट होकर पवेलियन लौट गये। मेहदी हसन मिराज और जाकेर अली ने पारी संभालने का प्रयास किया। मेहदी हसन मिराज (26) और जाकेर अली (21) रन बनाकर आउट हुये। शमीम हुसैन ने बांग्लादेश के लिए 17 गेंदों में (35) रनों की पारी खेली। बांग्लादेश की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 129 रन बनाये। वेस्टइंडीज की ओर से गुडाकेश मोती ने दो विकेट लिये। अकील हुसैन, रॉस्टन चेज, अल्जारी जोसेफ और ओबेद मकॉए ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

31 अंक से जीते तमिल थलाइवाज

प्रो कबड्डी लीग : सम्मान की लड़ाई में बंगाल वारियर्स पर भारी पड़े तमिल थलाइवाज

पुणे,

प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने के बाद तमिल थलाइवाज और बंगाल वारियर्स के लिए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन में अब सिर्फ सम्मान की लड़ाई बची है और इस लड़ाई में थलाइवाज टीम बंगाल पर भारी पड़ी। थलाइवाज ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में बुधवार को 60-29 के अंतर से हराया।

थलाइवाज को 20 मैच में सातवीं जीत मिली जबकि बंगाल को इतने ही मैचों में 12वीं हार मिली। थलाइवाज की जीत में मोइन शफागी (13), हिमांशु (13), साई प्रसाद (6) और डिफेंडर नितेश (7) ने चमक दिखाई जबकि फजल अतराचली के बगैर उतरी बंगाल के लिए मंजीत चौधरी ने सबसे अधिक सात अंक लिए। बंगाल की टीम चार बार आलआउट हुई। शुरुआती 10 मिनट में थलाइवाज ने एक बार आलआउट लेते हुए 16-6 की लीड ले ली थी।

साई प्रसाद ने चार अंक की रेड के साथ बंगाल को बैकफुट पर धकेला। बंगाल को आलआउट करने में डिफेंस का अहम योगदान रहा क्योंकि उसने मनिंदर जैसे स्टार रेडर को इस दौरान खाता नहीं खोलने दिया। आलइन के बाद शफागी ने सुपर रेड के साथ बंगाल को फिर तगड़ा झटका दिया। लीज 19-6 की हो गई थी। इस बीच मनिंदर ने खाता खोला और इस सीजन में 100 रेड प्वाइंट्स पूरे किए। पांच मिनट के खेल में थलाइवाज ने 22-9 की लीड पर बंगाल के लिए सुपर टैकल आन कर दिया था। बंगाल ने हालांकि इसके बाद लगातार तीन अंक लेकर आलआउट टाल दिया लेकिन 10 अंक का फासला अभी भी बना हुआ था। थलाइवाज ने इसके बाद भी अपनी पकड़ बनाए रखी और 25-13 के स्कोर पर पाला बदला। हाफटाइम के बाद थलाइवाज ने फिर से बंगाल को सुपर टैकल सिचुएशन में डाला और फिर शफागी की बदौलत आलआउट लेकर 30-14 की लीड ले ली। आलइन के बाद भी शफागी मल्टीप्वाइंटर के साथ बंगाल को दुख पहुंचाया। वह सुपर-10 पूरा कर चुके थे और फासला 20 अंक का हो गया था। साथ ही बंगाल के लिए सुपर टैकल भी आन था। इसके बाद बस्तामी और शफागी ने आलआउट की ओर धकेला लेकिन मंजीत ने मल्टी प्वाइंटर के साथ एक रिवाइवल ले लिया। इसके बाद नितेश ने शफागी को सुपर टैकल कर 30 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 19-37 कर दिया।

सीनियर एलिट स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप का समापन

हिसार, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के गिरी सेंटर स्थित बॉक्सिंग हॉल में 14 से 18 दिसंबर तक आयोजित हुई चार दिवसीय 5वीं सीनियर एलिट हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप का बुधवार को समापन हुआ।

इस चैंपियनशिप का आयोजन हरियाणा बॉक्सिंग संघ, क्रीड़ा भारती और एचएयू के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। चैंपियनशिप के बेस्ट बॉक्सर गौरव पुनियानी व बेस्ट प्रमोशिंग प्रीत रहे तथा ओवरऑल ट्रॉफी साईं भिवानी को मिली और रनर अप हिसार रहा। चैंपियनशिप के समापन अवसर पर हकृवि के कुलपति डॉ. बी.आर. कंबोज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और विशिष्ट अतिथि के तौर पर ओलंपियन अर्जुन अवॉर्डी डीएसपी जयभगवान मौजूद रहे जिन्होंने विजेताओं को मेडल दिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)